दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 227 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, शुक्रवार 04 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

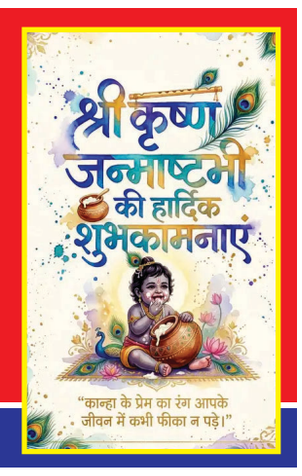

बारिश की हर बूंद सहेजने में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी, 'जल संचय जन भागीदारी' के तीसरे चरण में देश में प्रथम

खेत का 5 प्रतिशत हिस्सा जल संरक्षण के लिए देने की किसानों की अनूठी पहल बनी मिसाल

जल संचय जन भागीदारी के तीन चरणों में प्रदेश में 28 लाख से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण और पंजीयन

सूरजपुर, महासमुंद, बालोद, बलौदाबाजार-भाटापारा और कबीरधाम देश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल

मुख्यमंत्री साय ने हर राज्य के लिए 'कैच द रेन' प्लान, स्टेट वाटर अवार्ड्स और त्रैमासिक समीक्षा का दिया सुझाव

रायपुर। बारिश की हर बूंद को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने देश के सामने जनभागीदारी का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। जल शक्ति मंत्रालय के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य के पांच जिले भी जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाने में सफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की। सम्मेलन के 'कैच द रेन' सत्र में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने राज्य में वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा पेयजल स्रोतों के संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण को केवल शासकीय योजनाओं और जल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रखा है। किसानों, ग्राम पंचायतों, जल सखियों, जल मित्रों और स्थानीय समुदायों को इससे जोड़कर इसे व्यापक जनअभियान का स्वरूप दिया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और अपने गृहग्राम बगिया में हल चलाकर खेती कर चुके हैं। इसलिए खेती और ग्रामीण जीवन में पानी का महत्व उन्होंने बहुत करीब से देखा और समझा है। किसान के लिए पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसकी फसल, परिवार, आजीविका और भविष्य से जुड़ा विषय है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण की योजनाओं के केंद्र में किसान और गांव को रखा गया है।

उन्होंने कहा कि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में लगभग चार प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला छत्तीसगढ़ 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। यह उपलब्धि केवल जल संरचनाओं की संख्या की नहीं, बल्कि जल संरक्षण के प्रति प्रदेश में विकसित हो रही सामूहिक चेतना और जनभागीदारी की भी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सम्मेलन में कोरिया जिले से शुरू हुए '5 प्रतिशत मॉडल' का विशेष उल्लेख किया। यह मॉडल जल संरक्षण में किसानों की स्वैच्छिक भागीदारी का अभिनव उदाहरण है।

इस पहल के अंतर्गत किसान अपनी कृषि भूमि का लगभग 5 प्रतिशत हिस्सा भू-जल पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन के लिए स्वेच्छा से उपलब्ध करा रहे हैं। इस हिस्से में ऐसी जल संरचनाएं विकसित की जा रही हैं, जिनमें बारिश का पानी खेत से बहकर बाहर जाने के बजाय वहीं एकत्र हो और धीरे-धीरे जमीन के भीतर समाहित हो सके।

इस मॉडल की विशेषता यह है कि इसमें किसान जल संरक्षण के केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार हैं। किसान अपनी भूमि उपलब्ध करा रहे हैं, पंचायतें और स्थानीय समुदाय सहयोग कर रहे हैं तथा विभिन्न विभागों और योजनाओं के समन्वय से जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

SHORT NEWS

रायगढ़ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर बढ़ाया देश का मान : मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय लैक्रॉस टूर्नामेंट में भारतीय महिला लैक्रॉस टीम द्वारा कांस्य पदक जीतने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने रायगढ़ जिले की तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन कर देश और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। भारतीय महिला लैक्रॉस टीम ने टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया। टीम की इस सफलता में रायगढ़ की तीनों खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खम्हरिया और उदयपुर में महतारी सदन निर्माण का भूमिपूजन, मंत्री राजेश अग्रवाल ने दी सौगात

रायपुर । नारी सशक्तीकरण के संकल्प के साथ सुशासन की सरकार प्रदेश की माताओं-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में प्रदेशभर में महतारी सदनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज अंबिकापुर के ग्राम खम्हरिया और ग्राम उदयपुर में महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन हमारी माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता का केंद्र होगा। यह महिलाओं को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा, जहां वे बैठकें, प्रशिक्षण तथा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन गांव की मातृशक्ति को संगठित करने और उनकी प्रतिभा एवं हुनर को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में अनेक पारंपरिक कौशल और प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्हें उचित मंच और अवसर मिलने पर वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

उन्होंने कहा कि महतारी सदन में महिलाओं के लिए बैठक, प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के संचालन की सुविधा मिलेगी। इससे महिलाओं के बीच आपसी सहभागिता और समन्वय बढ़ेगा तथा उन्हें सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, उद्योग एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महानदी भवन, नवा रायपुर में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

मुख्य सचिव ने राज्य के तकनीकी शिक्षण संस्थानों एवं उद्योग प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर तकनीकी वस्त्र सम्मेलन, कानक्लेव आयोजित करने के निर्देश दिए। सम्मेलन में तकनीकी वस्त्रों के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत उपलब्ध योजनाओं तथा उद्योगों की आवश्यकताओं पर जानकारी एवं संवाद किया जाएगा। तकनीकी शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच सीधा समन्वय स्थापित कर उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा।

प्रारंभिक रूप से प्रत्येक तकनीकी संस्थान से 10-10 विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को तकनीकी वस्त्रों के वास्तविक औद्योगिक उपयोग का अनुभव मिलेगा तथा उद्योगों को कुशल मानव संसाधन उपलब्ध होगा।

वस्त्र प्रशिक्षण केंद्र हथकरघा एवं वस्त्र गतिविधियों वाले क्षेत्रों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को चरणबद्ध रूप से वस्त्र प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा। प्रथम चरण में कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा एवं बिलासपुर जिलों के संस्थानों को स्थानीय वस्त्र उद्योगों से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठकों में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर एवं भैयाथान में आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठकों में विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री ाजवाड़े ने बैठक में योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लेते हुए मैदानी स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए।

राजवाड़े ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विभागीय योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे और विकास कार्यों का सकारात्मक प्रभाव आमजन के जीवन में दिखाई दे, इसके लिए निरंतर समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग जरूरी है।

उन्होंने अधिकारियों को मैदानी अमले के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान करने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल स्वीकृति और क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक लाभ हितग्राही तक पहुंचना ही उसकी सार्थकता है।

सूरजपुर एवं भैयाथान में आयोजित समीक्षा बैठकों में संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं भाजपा

संतान की लंबी उम्र और मंगलमय भविष्य के लिए महिलाओं ने रखा हलषष्ठी व्रत

साजा । छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और सनातन परंपरा के सबसे पवित्र पर्वों में शुमार हलषष्ठी माता का व्रत (जिसे कमरछठ या हलछठ भी कहा जाता है) नगर सहित पूरे ग्रामीण अंचल में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। अपनी संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर अंचल की हजारों माताओं ने कठिन उपवास रखा। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई और शक्ति के प्रतीक भगवान बलराम (हलधर) के जन्मोत्सव के रूप में भी पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है।

संतान की पीठ पर पोती लगाने की अनूठी रस्म

पूजा के पश्चात व्रती माताओं ने अपनी-अपनी संतानों की लंबी उम्र और रक्षा की कामना करते हुए उनकी पीठ पर पोती लगाया। ?पूरे दिन चले इस अनुष्ठान से साजा सहित पूरा ग्रामीण अंचल भक्तिमय और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आया।

कॉलेज छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ व धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार । कॉलेज छात्रा का रास्ता रोककर पीछा करने, जबरन बातचीत करने, छेड़छाड़ और जान से मारने व बदनाम करने की धमकी देने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने 23 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाल रंग की मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 22 आर 9895 और आईफोन-13 जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार कॉलेज छात्रा ने सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि कॉलेज आने-जाने के दौरान रोशन सिंह राजपूत उसका लगातार पीछा करता था। वह जबरन बातचीत करने और हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करता था। विरोध करने पर जान से मारने तथा बदनाम करने की धमकी देने का भी आरोप है। छात्रा के मना करने के बावजूद आरोपी द्वारा उसका पीछा कर फोन के माध्यम से मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 720/2026 के तहत बीएनएस की धारा 78(1), 79 और 351(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद आरोपी रोशन सिंह राजपूत, पिता उदय सिंह, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम रवान, वार्ड नंबर 14, थाना सिटी कोतवाली, बलौदाबाजार को 1 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्रवाई की। पीड़िता की पहचान और पता गोपनीय रखा गया है।

साइबर ठगी से बचाव के लिए वरिष्ठ नागरिकों को दिए सुरक्षा के टिप्स

बलौदाबाजार । छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत बुधवार को जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला स्तरीय साइबर जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों, पेंशनर्स संघ और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित 60 से अधिक वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा और सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक लखेश केंवट ने वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराध के बढ़ते तरीकों की जानकारी दी। अधिकारियों ने डिजिटल अरेस्ट, पुलिस, सीबीआई या ईडी अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी, बैंकिंग फ्रॉड और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन अध्यक्ष श्याम शुक्ला, नागरिक सेवा समिति के आर.एन. वर्मा, छत्तीसगढ़ पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एस.एन. पाध्येय, छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ अध्यक्ष तारण सिंह ठाकुर, स्वदेशी जागरण मंच के जय नारायण केसरवानी, शिक्षक संघ के सरदार बलविंदर सिंह, छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज अध्यक्ष खोडस कश्यप, नगर संघ प्रमुख राजनारायण केशरवानी और सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. निशा झा सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। डॉ. निशा झा ने अपने साथ हुए साइबर अपराध के प्रयास का अनुभव साझा करते हुए बताया कि सतर्कता के कारण वह ठगी का शिकार होने से बचीं। वरिष्ठ नागरिकों ने ऑनलाइन बैंकिंग, अनजान वीडियो कॉल और डिजिटल अरेस्ट को लेकर सवाल पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने समाधान किया। पुलिस ने अपील की कि अनजान व्यक्ति से ओटीपी, पिन, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बनकर पैसे मांगने पर घबराएं नहीं और तत्काल थाना या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

नेत्रदान कर प्रेमसुख बंसल ने दी मानवता की मिसाल, दो लोगों की दुनिया होगी रोशन

खरसिया । नगर के समाजसेवी व प्रसिद्ध नागरिक स्व. प्रेमसुख बंसल ने मृत्यु के बाद भी दो लोगों के जीवन में उजाला भरने का पुण्य कार्य किया है। उनके द्वारा किए गए नेत्रदान से दो नेत्रहीनों को नई रोशनी मिलेगी, जिसकी पूरे रायगढ़ जिले में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार स्व. प्रेमसुख बंसल, जो सुशील बंसल व किशन बंसल के पिताजी थे, ने कुछ वर्ष पूर्व बसना उन्नति शाखा द्वारा आयोजित नेत्रदान जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर नेत्रदान का संकल्प लिया था। उनके निधन के पश्चात बसना उन्नति शाखा की संरक्षक एवं राष्ट्रीय स्वस्थ भारत फोरम की वाइस चेयरमैन श्रीमती रीना अग्रवाल (नेत्रदानी के रिश्तेदार) ने परिवार से संपर्क कर उनके इस संकल्प की भावना से अवगत कराया। परिजनों ने भी इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल निर्णय लिया।

पुत्र सुशील बंसल व किशन बंसल ने अपनी पिता की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उनके नेत्रदान की सहमति दी। इस पुनीत कार्य में दीपक डोरा का विशेष सहयोग रहा। रायगढ़ मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ टीम द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई और प्राप्त कॉर्निया को बिलासपुर सिम्स भेजा गया।

सगरी सजाकर शिव-पार्वती और हलषष्ठी माता की पूजा, छह प्रकार के भोग अर्पित किए

बलौदाबाजार । संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना को लेकर बुधवार को शहर में महिलाओं ने हलषष्ठी का व्रत रखा। महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर मोहल्लों में सगरी तैयार की और विधि-विधान से हलषष्ठी माता, भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना की।

पूजा के लिए महिलाओं ने चौक-चौराहों पर सगरी बनाकर उसे पारंपरिक तरीके से सजाया। इसके बाद हलषष्ठी माता की स्थापना कर पूजा की गई। ममता और संतान के प्रति समर्पण से जुड़े इस पर्व में छह अंक का विशेष महत्व माना जाता है। पूजा में छह प्रकार के भोग अर्पित किए गए। वहीं भौरा, गिल्ली-डंडा, नाव, कंचे सहित छह प्रकार के पारंपरिक खिलौने भी अर्पित किए गए।

पूजन के दौरान महिलाओं ने हलषष्ठी माता से जुड़ी छह कथाओं का श्रवण किया। सगरी में छह बार जल अर्पित करने के साथ बेलपत्र, भैंस का दूध, दही, घी, फूल, कांसी के फूल, श्रृंगार सामग्री, लाई और महुए के फूल चढ़ाकर पूजा-अर्चना की गई।

संतान की पीठ पर छह बार थाप

पूजा के समापन के बाद माताओं ने अपनी संतान की पीठ पर कपड़े की पोटली से छह बार थाप लगाई। इसके बाद छह प्रकार की भाजियों का सेवन कर महिलाओं ने अपना व्रत पूर्ण किया। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं में उत्साह और श्रद्धा का माहौल रहा।

व्रत-पूजन में सुनीता साहू, संतोषी सेन सहित मोहल्ले की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

आयुक्त मरकाम से चर्चा, प्रमुख मार्गों के गड्ढे भरने का आश्वासन

राजनांदगांव । आगामी गणेश पर्व को देखते हुए शहर की जर्जर सड़कों और जगह-जगह बने गड्ढों को दुरुस्त करने की मांग तेज हो गई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम से टेलीफोन पर चर्चा कर गणेश पर्व से पहले शहर की प्रमुख सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर में गणेश पर्व के दौरान निकलने वाली भव्य झांकियां शहर की पहचान हैं और इन्हें देखने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में खराब सड़कें श्रद्धालुओं और आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने आयुक्त से चर्चा के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि महावीर चौक, टाकी घर, स्टेशन पारा रोड, सदर बाजार, रामाधीन मार्ग सहित अन्य प्रमुख सड़कों पर कई स्थानों पर सड़क खराब है और गड्ढे बने हुए हैं। गणेश पर्व के दौरान इन्हीं प्रमुख मार्गों से बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही होती है तथा विभिन्न गणेश समितियों की झांकियां भी इन मार्गों से गुजरती हैं। उन्होंने कहा कि गणेश पर्व राजनांदगांव का प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है। पर्व के दौरान शहर में देर रात तक लोगों की आवाजाही रहती है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी परिवार सहित लोग झांकियां देखने राजनांदगांव पहुंचते हैं। ऐसे में सड़कों पर मौजूद गड्ढों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। श्री पिल्ले ने निगम प्रशासन से मांग की कि गणेश पर्व शुरू होने से पहले शहर की सभी प्रमुख सड़कों का निरीक्षण कराकर जहां-जहां गड्ढे और सड़क क्षतिग्रस्त हैं वहां तत्काल मरम्मत कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और झांकी निकालने वाली समितियों को भी सुगम मार्ग मिल सके इसके लिए समय रहते सड़क सुधार कार्य पूरा किया जाना जरूरी है।

एजेंटों की खूनी झड़प के बाद जागा प्रशासन परमिट, कागजात, ओवर लोडिंग की जांच शुरू

सारंगढ़ । बस स्टैंड पर बीते दिनों बस एजेंटों के बीच हुई तीखी बहस और खूनी झड़प के बाद पुलिस व स्थानीय प्रशासन सख्त रवैये में नजर आ रहा है। सवारी बिठाने और बस रूट को लेकर हुए हिंसक विवाद को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने बस स्टैंड पर अचानक दबिश दी और अवैध रूप से संचालित हो रही बसों व एजेंटों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान शुरू हुआ। ?एजेंटों के विवाद से शुरू हुआ मामला ?गौर तलब है कि - बीते दिनों सारंगढ़ बस स्टैंड पर सवारी बिठाने की बात को लेकर बस एजेंटों के बीच विवाद हो गया था। देखते ही देखते यह बहस मारपीट और खूनीझड़प में बदल गई। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की थी। हालांकि, मामला यहीं शांत नहीं हुआ । इस घटना से सबक लेते हुए पुलिस प्रशासन ने बस स्टैंड की व्यवस्था सुधारने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए अभियान छेड़ दिया है।

पुलिस टीम ने बस स्टैंड पहुंचकर बसों के परमिट, रूट चार्ट, इंश्योरेंस और चालकों के दस्तावेज की गहनता से जांच की। बिना परमिट, अधूरे कागजात और ओवरलोडिंग के साथ सड़कों पर दौड़ रही बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि- गंभीर लापरवाही और बिना वैध परमिट के संचालित होने वाली बसों को जब्त किया जाएगा । ?बस स्टैंड परिसर में अवैध रूप से सक्रिय एजेंटों, दादागिरी करने वाले तत्वों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस पैनी नजर रख रही है। पुलिस प्रशासन का साफ कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और बस स्टैंड पर किसी भी तरह की गुंडागर्दी या अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से बिना परमिट बस चलाने वाले संचालकों व अवैध एजेंटों में हड़कंप मच गया है।

आईजी रामगोपाल गर्ग बिलासपुर रेंज ने ली रेंज स्तरीय समीक्षा बैठक

सारंगढ़ । रामगोपाल गर्ग पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज द्वारा जिले के वरि. पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षकों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उच्च स्तरीय अपराध एवं सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की। समीक्षा बैठक में रजनेश सिंह उमनि., व.पुलिस अधीक्षक, जिला बिलासपुर, शशि मोहन सिंह, उमनि. व वरि. पुलिस अधीक्षक, जिला रायगढ़, भोजराम पटेल, वरि. पुलिस अधीक्षक मुंगेली, सिद्धार्थ तिवारी, पु.अधीक्षक, जिला कोरबा,मनोज खिलारी, पुलिस अधीक्षक, गौरेला - पेण्ड्रा-मरवाही प्रफुल्ल ठाकुर, पु. अधीक्षक, जिला सक्ती,विजय पांडेय पुलिस अधीक्षक, जिला जॉजगीर - चाम्पा, सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक जिला सारंगढ़, मती सुरेखा चौबे अ. पुलिस अ. पुमनि. कार्यालय बिलासपुर, मती मधुलिका सिंह, अ.पु. अधीक्षक बिलासपुर, पंकज पटेल अ. पु. अधी. बिलासपुर, मती नुपुर उपाध्याय कोटा, विवेक शर्मा, उप पु. अ., रेंज पु.म.नि. कार्या. बिलासपुर एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स व विशेष नोडल प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधिकारियों की इस उच्चस्तरीय बैठक मे आईजी राम गोपाल गर्ग बिलासपुर रेंज द्वारा नए कानूनों के क्रियान्वयन, न्याय प्रणाली को अधिक सुगम, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रशासनिक व तकनीकी दिशा- निर्देश, न्याय संहिता डैशबोर्ड की प्रगति, **CCTNS** व **IT** पोर्टल्स के अनुपालन, गंभीर अपराधों के प्रभावी नियंत्रण, ई-समन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व डिजिटल साक्ष्य संकलन (ई-साक्ष्य) तथा अन्य दिशा निर्देशों की विस्तृत समीक्षा की गई नये कानूनों का क्रियान्वयन एवं न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता नए आपराधिक कानून के क्रियान्वयन, न्याय प्रणाली को अधिक सुगम, पारदर्शी व त्वरित बनाने हेतु न्याय संहिता डैश बोर्ड की प्रगति, ई- समन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ई- साक्ष्य के उपयोग की विस्तृत समीक्षा की गई। थानों की पेंडेंसी को शून्य के स्तर पर लाने हेतु पुराने मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत 60 एवं 90 दिवस की वैधानिक समय -सीमा के भीतर चालान/खात्मा दाखिल करने का लक्ष्य तय कर सभी राजपत्रित अधि. को साप्ताहिक मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपें।

दुधली (मालीघोरी) में भी कमरछठ का महापर्व पारंपरिक रीति-रिवाज और अगाध श्रद्धा के साथ मनाया

बालोद । जिले साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र में कमरछठ पर बड़ी धूमधाम से मनाया है ऐसे ही डौंडीलोहारा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम दुधली (मालीघोरी) में भी कमरछठ (हलषष्ठी) का महापर्व पारंपरिक रीति-रिवाज और अगाध श्रद्धा के साथ मनाया गया, गांव की माताओं ने अपनी संतान की लंबी उम्र, बेहतर स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर सुबह से कठिन निर्जला व्रत रखा है।

ब्राह्मण निवास और मोहल्लों में सजी सगरी

ग्राम दुधली के केशव प्रसाद तिवारी,सतीश तिवारी, सुनील तिवारी प्रेम नारायण मिश्रा, मोहित दुबे के निवास स्थान पर, बालवाड़ी के पास दुर्गा मंच एवं पंचायत के पास सहित विभिन्न पारा-मोहल्लों में महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई, माताओं ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर मिट्टी खोदकर पारंपरिक सगरी (कुंड) का निर्माण किया, सगरी को पलाश, बेर, गूलर की टहनियों और कांशी के सुंदर फूलों से सजाया गया, इसके बाद सगरी में जल भरकर भगवान शिव-पार्वती और हलषष्ठी माता की फल-फूल और धूप-दीप से विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई. दोपहर के समय गांव की बुजुर्ग महिलाओं की अगुवाई में कमरछठ माता की छह पारंपरिक लोक कथाएं सुनी गईं।

पसहर चावल और छह प्रकार की भाजी का महाप्रसाद

व्रत के कड़े नियमों के तहत दुधली में भी हल से जुते हुए अन्न का पूरी तरह त्याग किया गया, माताओं ने पूजा के लिए केवल बिना हल चले उगने वाले पसहर चावल (लाल चावल) का उपयोग किया. पूजा में केवल भैंस के दूध और दही का भोग लगाया गया, जिसकी व्यवस्था के लिए सुबह से ही ग्रामीणों में उत्साह रहा, शाम को माताएं छह प्रकार की मिश्रित भाजियों (साग) और पसहर चावल का प्रसाद ग्रहण कर अपना उपवास खोलेंगी।

कोमल जंघेल की अनुशंसा पर ग्राम खैरा में रानी अवंती बाई की प्रतिमा के लिए 10 लाख स्वीकृत

खैरागढ़ । ग्रामीणों एवं लोधी समाज की मांग को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व विधायक कोमल जंघेल की अनुशंसा पर छुईखदान ब्लॉक के ग्राम पंचायत खैरानवापारा अंतर्गत ग्राम खैरा में 1857 की अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई की भव्य प्रतिमा एवं चबूतरा निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्रवासियों एवं लोधी समाज में हर्ष का माहौल है। छुईखदान क्षेत्र में लोधी समाज की बड़ी संख्या है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विभिन्न गांवों में पहले से ही वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमाएं स्थापित की जा चुकी हैं। ऐसे में ग्राम खैरा में भी भव्य प्रतिमा स्थापित किए जाने की स्वीकृति को समाज के लोगों ने गौरव और सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय बताया है।

पूर्व में भी कोमल जंघेल के कार्यकाल में स्थापित हुई थी प्रतिमा क्षेत्र में वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना से जुड़ा एक महत्वपूर्ण इतिहास भी रहा है। वर्ष 2007 में विधानसभा उपचुनाव में कोमल जंघेल के निर्वाचित होने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में छुईखदान नगर के जय स्तंभ चौक में 20 लाख रुपये की लागत से रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित की गई थी। वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की उपस्थिति में विशाल जनसभा के माध्यम से प्रतिमा का लोकार्पण किया गया था। धार्मिक और आस्था का प्रमुख केंद्र है खैरानवापारा-नर्मदा क्षेत्र ग्राम खैरानवापारा-नर्मदा क्षेत्र धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नर्मदा मैया मंदिर, लोधेश्वर महादेव मंदिर, कबीर मंदिर, संतोषी मंदिर, शांकबरी मंदिर और शनि मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थल स्थित हैं। प्रतिवर्ष यहां नर्मदा महोत्सव का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे धार्मिक एवं आस्था के केंद्र में वीरांगना रानी अवंती बाई की भव्य प्रतिमा स्थापित होने से क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व में भी वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री का जताया आभार प्रतिमा एवं चबूतरा निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने पर छत्तीसगढ़ लोधी समाज ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

135 करोड़ से अधिक विकास कार्यों की स्वीकृति पर मां विन्ध्वासिनी के दरबार पहुंचे महापौर रामू रोहरा

धमतरी । तीन दिनों के भीतर धमतरी अंचल के लिए 135 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने के बाद महापौर रामू रोहरा बीजेपी पार्षदों के साथ धमतरी अंचल की आराध्य देवी माँ विन्ध्वासिनी के दरबार पहुंचे। महापौर ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और निरंतर विकास की कामना की। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने महापौर का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि धमतरी के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आने वाले समय में शहर को और बेहतर सड़क, यातायात, जल व्यवस्था तथा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माँ विन्ध्वासिनी की कृपा और जनता के आशीर्वाद से धमतरी के विकास का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

महापौर ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मंदिर की धार्मिक महत्ता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और क्षेत्र को आकर्षक स्वरूप दिया जा सके। उन्होंने संबंधित लोगों से क्षेत्र की आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। इस के बाद महापौर रामू रोहरा गोकुलपुर चौक पहुंचे, जहां वार्डवासियों ने रुद्री रोड के चौड़ीकरण, गौरवपथ की स्वीकृति मिलने पर उनका स्वागत किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि लंबे समय से रुद्री मार्ग के चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ यातायात का दबाव भी कम होगा। महापौर ने वार्डवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धमतरी की जनता ने जिस विश्वास के साथ जिम्मेदारी सौंपी है, उस विश्वास पर खरा उतरना ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए बड़ी योजनाओं को जमीन पर उतारने का काम लगातार जारी है। सड़क, नाली, पेयजल, यातायात और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धमतरी के विकास के लिए अब कोई भी क्षेत्र पीछे नहीं रहेगा। शहर की वर्षों पुरानी मांगों को पूरा कराने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। जनता का सहयोग और आशीर्वाद इसी तरह मिलता रहा तो धमतरी को विकास के नए स्वरूप में तैयार किया जाएगा।

श्री श्याम बिहारी मंदिर में धूमधाम से मनेगा कृष्ण जन्मोत्सव

खरसिया । धर्म नगरी खरसिया नगर की धन्य धरा पर नगर की प्रसिद्ध संस्था श्याम कुटुम्ब द्वारा विगत वर्षो की भांती इस वर्ष भी श्याम बिहारी मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 04 सितम्बर शुक्रवार को बड़ी धुम धाम से मनाया जायेगा ।

श्याम कुटुम्ब के संस्थापक मुकेश मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया श्याम बिहारी मंदिर में कृष्ण जन्मोत्सव मनाने हेतु जोर शोर से संस्था के सदस्य तैयारी में जुटे हुए है । मंदिर परिसर को फूलों, गुब्बारों और रंग बिरंगी झालरो से सजाया जा रहा है । श्याम मंदिर में बाबा श्याम के साथ साथ हनुमान जी एवं शिव पार्वती परिवार का भी भव्य दरबार सजाया जायेगा । भारत की विख्यात भजन सम्राट आयुषी राज, दिल्ली द्वारा रात्रि 8 बजे से भक्तों को अपनी मधुर वाणी से भजनों के माध्यम से रिझाया जायेगा । उसके पश्चात ठीक रात्रि 12 बजे विख्यात आतिशबाजियों द्वारा श्याम बिहारी मंदिर के सामने जोरदार आतिशबाजी की जावेगी । श्याम बिहारी मंदिर में संस्था के सदस्यों एवं आये हुए भक्तों द्वारा लड्डू गोपाल के जन्मोत्स में केक काटा जावेगा । उसके पश्चात आरती कर सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया जावेगा । श्याम कुटुम्ब के संस्थापक मुकेश मित्तल, अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुचकर भगवान कृष्ण जन्मोत्सव का आनंद उठावे ।

अंबुजा सीमेंट प्लांट से कॉपर केबल चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार । ग्राम रवान स्थित अंबुजा सीमेंट प्लांट परिसर से कॉपर केबल वायर चोरी करने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 25 हजार रुपए कीमत का 25½ फीट लंबा कॉपर केबल वायर और केबल काटने में प्रयुक्त कटर ब्लेड जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार कृष्णायन कॉलोनी निवासी राजेश कुमार पांडे (65) ने 31 अगस्त को थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अंबुजा सीमेंट प्लांट परिसर में रखा करीब 9-10 मीटर कॉपर केबल वायर अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 738/2026 के तहत बीएनएस की धारा 303(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। सूचना के आधार पर संदेही टिकेश्वर वर्मा और लक्की वर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में दोनों ने चोरी की घटना स्वीकार की। टिकेश्वर वर्मा के मेमोरेंडम के आधार पर उसके कब्जे से 25½ फीट कॉपर केबल वायर और कटर ब्लेड बरामद किया गया।

लावारिस मवेशियों से सड़क और खेत दोनों असुरक्षित, सरकार तत्काल ठोस व्यवस्था करे : डॉ. प्रकाश शर्मा

छुरिया । राजनांदगांव जिले सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लावारिस मवेशियों की बढ़ती संख्या आज किसानों, आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। सड़कों पर बैठे और घूमते मवेशियों के कारण जहां आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में किसान अपनी खड़ी फसलों को बचाने के लिए रात-रातभर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव ग्रामीण के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शर्मा ने कहा कि शाम होते ही ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति देखने कोई गांवों में जाए तो तस्वीर बेहद चिंताजनक दिखाई देती है। गांव के युवा, बुजुर्ग और किसान हाथों में डंडे लेकर अपनी-अपनी फसलों की रखवाली करने निकलते हैं। किसान एक गांव की सीमा से मवेशियों को दूसरे गांव की सीमा की ओर हांक देते हैं और दूसरे गांव के किसान भी यही करते हैं। इस तरह समस्या का स्थायी समाधान होने के बजाय वह एक गांव से दूसरे गांव तक पहुंचकर और गंभीर होती जा रही है।

उन्होंने कहा कि लावारिस मवेशी किसानों की मेहनत और महीनों की लागत से तैयार फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। खेतों में मवेशियों के घुसने से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। दूसरी ओर मुख्य मार्गों, गांव की सड़कों और राजमार्गों पर मवेशियों के झुंड बैठे रहने से वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका हर समय बनी रहती है। विशेषकर रात के समय यह खतरा और बढ़ जाता है।

कांग्रेस शासन की व्यवस्था में गौवंश की सुरक्षा और किसानों को राहत मिलती थी डॉ. शर्मा ने कहा कि जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब 'नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी' जैसी महत्वपूर्ण योजना के माध्यम से गांवों में गौवंश के संरक्षण और व्यवस्था की दिशा में काम किया गया था। गांव-गांव में गौठान विकसित किए गए, जहां मवेशियों के लिए आश्रय, चारा-पानी और देखभाल की व्यवस्था का प्रयास किया गया। इससे किसानों को फसल बचाने में राहत मिलती थी तथा गोबर, गौमूत्र और कंपोस्ट खाद जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देने की पहल हुई थी।

ऑटो स्टैंड के कारण रहता है भारी दबाव, गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटना का खतरा

बलौदाबाजार । बलौदाबाजार-सिमगा मुख्य मार्ग पर ईदगाह कॉम्प्लेक्स के सामने जर्जर एवं क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष शेख सलमान ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को आवेदन सौंपकर तत्काल मरम्मत और सुधार कार्य कराने की मांग की है।

शेख सलमान ने बताया कि ईदगाह कॉम्प्लेक्स के सामने ऑटो स्टैंड होने के कारण यह क्षेत्र दिनभर व्यस्त रहता है। यहां बड़ी संख्या में ऑटो के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छात्र-छात्राओं और नागरिकों का भी आवागमन होता है। ऐसे में सड़क की खराब स्थिति लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।

सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से होने के कारण वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के साथ अन्य वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग बलौदाबाजार शहर को ग्रामीण क्षेत्रों से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों में शामिल है। प्रतिदिन किसान, मजदूर, विद्यार्थी और अन्य ग्रामीण नागरिक इस मार्ग से शहर पहुंचते हैं। ऑटो स्टैंड के कारण यातायात का दबाव भी अधिक रहता है। इसके बावजूद सड़क की स्थिति में सुधार नहीं होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। प्राथमिकता से हो सुधार कार्य नेता प्रतिपक्ष ने पीडब्ल्यूडी से मौके का तत्काल निरीक्षण कर सड़क की स्थिति का जायजा लेने और आवश्यक मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक यातायात वाले इस स्थान पर सड़क को सुरक्षित और सुगम बनाना जरूरी है।

ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल कुरदी में पहले वृक्षाबंधन फिर रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित

बालोद पर्यावरण संरक्षण गतिविधि थीम, जिला बालोद द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल, कुरदी में पहले वृक्षाबंधन फिर रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान पाठक नारायण साहू, विशेष अतिथि रुखमणी एवं विनोद कुमार साहू, अध्यक्षता पर्यावरण गतिविधि जिला सह संयोजक संजय साहू ने की। वहीं पर्यावरण गतिविधि जिला संयोजक एवं प्रशिक्षक कमलकृष्णाकांत साहू ने प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 930 बजे भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। विद्यालय के भैया-बहनों ने हाथों से वृक्षों के लिए रक्षा सूत्र (राखी) का निर्माण किया।

मुख्य अतिथि नारायण साहू ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक है। इसी तरह वृक्षों को राखी बांधना प्रकृति के प्रति आभार और उसकी रक्षा का संकल्प है। विशेष अतिथि रुखमणी ने कहा कि वृक्ष हमारे सच्चे रक्षक हैं, जो हमें ऑक्सीजन, छाया और फल देते हैं। अध्यक्षता कर रहे संजय साहू ने कहा कि रक्षाबंधन के साथ-साथ वृक्षों में भी रक्षा सूत्र बांधना आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए सीडबॉल निर्माण, बीजरोपण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग और सामाजिक चेतना जरूरी है। उन्होंने परिवार के साथ मिलकर स्मृति वृक्ष और पारिवारिक वाटिका लगाने का आह्वान किया। अंत में कमलकृष्णाकांत साहू ने नेशनल स्टूडेंट पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 के बारे में जानकारी दी। यह प्रतियोगिता भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के समर्थन से 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चल रही है। पंजीकरण के लिए वेबसाइट या पोस्टर पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन किया जा सकता है।

तीन कृषि केंद्रों का कीटनाशी लाइसेंस निरस्त

बालोद । कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशन पर कृषि विभाग ने खरीफ वर्ष 2026 में किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कीटनाशी विक्रय केंद्रों की जांच तेज कर दी है तथा अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही की जा रही है।

विकासखंड बालोद के ग्राम नेवारीकला में कीटनाशी निरीक्षक द्वारा विनय कृषि केंद्र एवं नीलम ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया गया था। जहाँ भण्डारण, वितरण एवं दस्तावेज संधारण में अनियमितता पाए जाने पर विक्रय प्रतिबंधित करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसका कृषि केंद्र संचालक द्वारा संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसी प्रकार विकासखंड गुरुर के ग्राम भानपुरी में साहू कृषि केंद्र का कीटनाशी निरीक्षक विकासखंड गुरुर द्वारा निरीक्षण किया गया, जहाँ अनियमितता पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसका कृषि केंद्र संचालक द्वारा जवाब नहीं दिया गया।

शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान पर क्षेत्र में हर्ष, शुभचिंतकों ने दी बधाई

राजनांदगांव । मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण ज्ञानदीप पुरस्कार 2025 के लिए शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खपरीकला विकासखंड डोंगरगांव के शिक्षक लक्ष्मीकांत शर्मा का चयन होने पर विद्यालय परिवार सहित क्षेत्र के शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों में हर्ष का वातावरण है। उनके चयन पर शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लक्ष्मीकांत शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट सेवाभाव, नवाचारपूर्ण शिक्षण कार्य, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षा के प्रति समर्पण को देखते हुए इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया गया है। उनके चयन को विद्यालय और ग्राम खपरीकला के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। शिक्षक के रूप में शर्मा ने पारंपरिक शिक्षण पद्धति के साथ नवाचार को जोड़ते हुए विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किया है। लक्ष्मीकांत शर्मा इससे पूर्व भी शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित हो चुके हैं। विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उनके प्रयासों, नवाचारपूर्ण शिक्षण गतिविधियों और शिक्षा के प्रति निरंतर समर्पण को देखते हुए विधायक दलेश्वर साहू द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

कांसा, कोटिया और नेगुरडीह को शिवरीनारायण से नवागढ़ में शामिल करने की मांग, कलेक्टर को दिया अनशन का नोटिस

जांजगीर-चांपा (महाकोशल) । शिवरीनारायण तहसील के तीन गांव कांसा, कोटिया और नेगुरडीह को नवागढ़ तहसील में शामिल करने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। ग्रामीणों ने इस संबंध में कलेक्टर जांजगीर-चांपा को आमरण अनशन की चेतावनी दी है।

ग्राम पंचायत कोटिया, कांसा और नेगुरडीह के पंचों-सरपंचों द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि नवागढ़ से लगे उक्त तीनों गांव आज भी शिवरीनारायण तहसील में आते हैं। नवागढ़ तहसील से कोटिया की दूरी 2 किमी, नेगुरडीह की 3 किमी और कांसा की 5 किमी है, जबकि शिवरीनारायण से इन गांवों की दूरी क्रमशः 18, 16 और 17 किमी है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में 14 अगस्त 2024 को पहला आवेदन, 27 अक्टूबर 2025 को स्मरण पत्र और 27 फरवरी 2026 को अंतिम आवेदन दिया गया था। 3 जून 2026 को विकासखंड स्तरीय समाधान तिहार में भी आवेदन दिया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ज्ञापन में उल्लेख है कि जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप, सांसद कमलेश जांगड़े, जिला प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को भी लिखित में मांग सौंपी गई थी। वहीं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव ने कलेक्टर से प्रस्ताव और अभिमत भी मांगा है, जिस पर कलेक्टर द्वारा बैठक लिए जाने की बात कही गई, पर 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी काम नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि सितंबर 2026 तक एक माह के भीतर तीनों गांवों को नवागढ़ तहसील में शामिल नहीं किया गया तो 1 अक्टूबर से नवागढ़ तहसील कार्यालय के सामने तीनों गांवों की जनता आमरण अनशन करने को बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी। इस नोटिस की प्रतिलिपि राजस्व सचिव, पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा, अजाक थाना प्रभारी और नवागढ़ थाना प्रभारी को भी दी गई है। नोटिस पर ग्राम पंचायत कोटिया के सरपंच राजकुमार, उपसरपंच रामकिशन कश्यप, सुरेश कश्यप सहित कांसा और नेगुरडीह के सरपंच, पंचों के हस्ताक्षर हैं।

झोला छाप डॉक्टर के क्लिनिक में मिला एक्सपॉयरी दवाईयों का जखीरा

- एसडीएम के छापे में हुआ सनसनीखेज खुलासा

छुरिया-(महाकोशल) । झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ की गई शिकायत पर एसडीएम की कार्यवाही में सनसनीखेज खुलासा हुआ। झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक में छापा मारने के दौरान एक्सपायरी दवाईयों का जखीरा बरामद हुआ जिसमें बच्चों को दी जाने वाली दवाईयाँ भी शामिल है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद टीम ने झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक एवं मेडिकल स्टोर को सील कर दिया है । ब्लाकॅ मुख्यालय छुरिया में लंबे समय से बिना वैध अनुज्ञा लाइसेंस के चिकित्सा कार्य करने वाले झोलाछाप डॉक्टर क्लिनिक खोलकर क्षेत्र के मरीजों का ईलाज कर रहा था । जिसकी शिकायत पर राजस्व अमला एवं स्वास्थ्य विभाग ने उक्त क्लिनिक में दबिश दी । जहां अनिकेत साहू डिप्टी कलेक्टर एसडीएम डोंगरगांव एवं उमेश भगत बीएमओ ने जांच के दौरान क्लिनिक में मरीजों का उपचार कर रहे डॉ. उज्जवल विश्वास उर्फ पीकू से डिग्रियां एवं दस्तावेज की मांग की गई । जिस पर वे गोलमाल जवाब देते नजर आए । संदेह होने पर क्लिनिक की जांच की गई जहां बेड, आपरेशन करने प्रयुक्त उपकरण सहित बीपी की दवाईयां, बच्चों को दी जाने वाली कॅफ सिरफ दवाईया, इंजेक्शन बड़ी मात्रा में सभी दवाईयां एक्सपायरी पायी गई । जिसे जब्त कर क्लिनिक एवं मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है ।

मेडिकल स्टोर की आड़ में क्लिनिक

एसडीएम अनिकेत साहू के छापामार कार्यवाही में झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक के अलावा मेडिकल स्टोर का संचालन हो रहा था। जांच के दौरान मेडिकल स्टोर की आड़ में बेखौफ मरीजों का उपचार लंबे समय से किया जा रहा था । कार्यवाही के दौरान रिषीत मेडिकल स्टोर के फार्मेसी मौजूद नहीं थे। इसके साथ ही मेडिकल स्टोर में मरीजों को दी जाने वाली बहुत सी दवाईयां एक्सपायरी पायी गई ।

एम्बुलेंस से मरीज को भेजा गया अस्पताल

झोलाछाप के क्लिनिक में बुखार से पीड़ित मरीज निर्मला पति खेमचंद निवासी गहिराभेंड़ी को उल्टी हो रही थी जिसका उपचार झोलाछाप डॉक्टर द्वारा किया जा रहा था । मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम साहू ने एम्बुलेंस से मरीज को उपचार के लिए अस्पताल भेजा । जहां उसकी स्थिति सामान्य बतायी जा रही है।

2030 की वर्कफोर्स का हिस्सा बनने के लिए आपको आज क्या करना होगा?

अमेरिका में जीई एप्लायंसेज के 1.1 मिलियन स्क्वायर फुट के कुकिंग-एप्लायंस प्लांट की असेंबली लाइन पर आपका सहकर्मी फिजिकल एआई का एक रूप हो सकता है। इसे दो पैरों वाला इंसान जैसा रोबोट समझने की भूल न करें।

मैं इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और फिजिकल एआई की बात कर रहा हूं, जहां मशीनें महसूस करने, प्रतिक्रिया देने और जटिल फिजिकल टास्क पूरे करने में सक्षम हो रही हैं। छह-एक्सिस वाले रोबोटिक आर्म विशाल स्टोवों को पलटते हैं, ग्लास कुकटॉप को मेटल फ्रेम पर चिपकाते हैं और कंट्रोल बोर्ड को प्रोग्राम करते हैं।

इंसान और मशीनें साथ में काम करते हुए हर 15 सेकंड में एक यूनिट बनाने की होड़ में लगे हैं। पूरा ऑपरेशन मॉनिटर किया जाता है और डेटा लगातार सिस्टम से मैनेजर्स तक पहुंचता रहता है, ताकि प्रोडक्टिविटी की हरेक संभावना का इस्तेमाल किया जा सके।

आप सोच सकते हैं कि इसमें नया क्या है? कोई एनालिटिकल व्यक्ति तर्क दे सकता है कि मैन्युफैक्चरिंग, खासकर कम मार्जिन वाले कंज्यूमर-गुड्स बिजनेस के पास हाई-स्पीड प्रोडक्शन के अलावा कोई खास विकल्प है भी नहीं।

हर 15 सेकंड में एक यूनिट बनाना शायद जरूरी है। और फिर इस एआई-डॉमिनेटेड माहौल में इंसान के लिए काम करना कितना दिलचस्प हो सकता है? लेकिन यह उतना भी उबाऊ नहीं, जितना आप सोच रहे हैं।

आठ घंटे की शिफ्ट में किसी व्यक्ति को फास्ट और फोकस्ड रहना पड़ता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसका जॉब बार-बार वही फिजिकल मूवमेंट दोहराना हो।

ऊपर बताई फैक्ट्री को ही लें। अगर कैमरा कोई गड़बड़ पकड़ता है, जैसे गैस्केट सही जगह नहीं लगा, तो एआई-ड्रिवन इंस्पेक्शन सिस्टम तत्काल असेंबली लाइन रोक सकता है और रॉक म्यूजिक बजा कर इंसानी सुपरवाइजर्स को अलर्ट कर सकता है। इससे काम की प्रकृति पूरी तरह बदल जाती है।

कर्मचारी अब कन्वेयर बेल्ट को बिना सोचे-समझे देखते रहने वाले लोग नहीं हैं। वे एक डायनेमिक सिस्टम के एक्टिव फर्स्ट रिस्पॉन्डर बन गए हैं। वे तेजी से 'रोबोट रैंगलर्स' बन रहे हैं- वे लोग जो रोबोटिक सेल्स की निगरानी करते हैं, सिस्टम पर नजर रखते हैं, तकनीकी गड़बड़ियां दूर करते हैं और मशीनों की परफॉर्मेंस को ऑप्टिमाइज करते हैं।

बदलाव यह है कि अब रिपीटेटिव काम करने के बजाय इस काम को करने वाली टेक्नोलॉजी को मैनेज करना है। वो दिन लद गए, जब कर्मचारियों को घंटों तक भारी मेटल चेसिस उठानी पड़ती थी या थका देने वाले अजीब रिस्ट-मूवमेंट करने पड़ते थे। जब मशीनें फिजिकल स्ट्रेन का बड़ा हिस्सा संभाल लेती हैं तो इंसान ज्यादा मेंटली अलर्ट रह सकते हैं और समस्याओं को एनालाइज कर निर्णय करने पर ध्यान दे सकते हैं।

आधुनिक प्लांट्स में फ्लेक्सिबिलिटी की भी ज्यादा जरूरत होगी। कर्मचारियों को अलग-अलग स्टेशनों और जिम्मेदारियों के बीच रोटेट किया जा सकता है। सुबह ऑटोमेटेड ग्लास-कुकटॉप असेंबली सेल संभालने वाला वर्कर दोपहर में ऑटोनॉमस मटेरियल-हैंडलिंग व्हीकल्स की निगरानी कर सकता है।

यहीं पर 2030 का जॉब सिनेरियो दिलचस्प हो जाता है। अगर भविष्य की फैक्ट्री को टेक्नोलॉजी प्रॉब्लम सॉल्वर की जरूरत होगी तो आपको आज क्या करना चाहिए- यदि आप 2030 में ऐसी फैक्ट्रियों का हिस्सा बनना चाहते हैं तो।

1. एआई और ऑटोमेशन के बेसिक्स सीखें। आपको एआई साइंटिस्ट बनने की जरूरत नहीं, लेकिन यह समझना चाहिए कि सेंसर, मशीन विजन, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन सिस्टम और एआई-बेस्ड डिसीजन-मेकिंग कैसे काम करते हैं।

2. डेटा लिटरेसी विकसित करें। किसी फ्यूचर वर्कर को डैशबोर्ड पढ़ने, बेसिक स्टैटिस्टिक्स समझने, असामान्य पैटर्न पहचानने और डिसीजन लेने के लिए डेटा का इस्तेमाल करने में सहज होना होगा। अगर कोई मशीन कहती है कि कुछ गड़बड़ हुई है तो इंजीनियर का इंतजार करने के बजाय वर्कर को यह आना चाहिए कि उस जानकारी का मतलब क्या है।

3. पायथन, पीएलसी प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स सॉफ्टवेयर या इंडस्ट्रियल कंट्रोल सिस्टम्स का शुरुआती ज्ञान भी किसी वर्कर को ऑटोमेटेड फैक्ट्री में कहीं ज्यादा मूल्यवान बना सकता है।

4. ट्रबलशूटिंग और प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स मजबूत करें। मशीन किसी गड़बड़ को पहचान सकती है, लेकिन इंसानों की जरूरत फिर भी पड़ेगी- यह समझने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, आगे क्या करना है और ऐसा दोबारा न हो।

फंडा यह है कि 2030 तक सबसे ज्यादा एम्प्लॉयेबल फैक्ट्री वर्कर शायद वह व्यक्ति नहीं होगा, जो हाथों से तेज काम कर सके। वह ऐसा व्यक्ति हो सकता है, जो मशीन को समझ सके, उसके डेटा पर सवाल उठा सके, उसकी गड़बड़ियां ठीक कर सके और उसे बेहतर काम करना सिखा सके। फ्यूचर स्मार्ट वर्कर को बदलना होगा, इससे पहले कि फैक्ट्री उसे बदल दे।

एआई मुफ्त नहीं है, डेटा सेंटरों का महंगा सौदा भी उसमें शामिल है

विराग गुप्ता सुप्रीम कोर्ट के वकील और 'डिजिटल कानूनों से समृद्ध भारत' के लेखक

अमेरिका में आगामी नवम्बर में होने जा रहे मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटरों से पानी, ऊर्जा और पर्यावरण को हो रही क्षति का मुद्दा जोर पकड़ने लगा है। भारी विरोध के बाद सिर्फ 3 महीनों में ही लगभग 75 डेटा सेंटर्स में 130 अरब डॉलर के प्रोजेक्ट्स पर काम रुक गया है।

चूंकि एआई क्रांति से भारी मुनाफा कमाने के लिए बड़े डेटा सेंटर्स जरूरी हैं, लिहाजा इन्हें अब भारत में लगाने की कोशिश हो रही है। यानी अमेरिका में जिन पर रोक लगाई जा रही है, उन्हीं को लेकर भारत में उत्साह का माहौल है।

शहरों में बड़े पैमाने पर कचरा होता है, लेकिन कोई भी अपने घर के नजदीक कचराघर नहीं बनने देना चाहता। अमेरिका के डेटा सेंटर्स भी 'लाक्षागृह' की तरह हैं। उन्हें हतोत्साहित करने के बजाय भारत में उन्हें सस्ती जमीन, टैक्स और पर्यावरण कानूनों से छूट मिलना खतरनाक हो सकता है। डिजिटल क्रांति के नाम पर चल रहे डेटा सेंटर से जुड़े 5 पहलुओं को समझना जरूरी है।

1. पब्लिक रिकॉर्ड्स एक्ट के अनुसार सरकारी डेटा, रिजर्व बैंक के 6 अप्रैल 2018 के नियमों के अनुसार डिजिटल पेमेंट डेटा और 2023 के डेटा सुरक्षा कानून के अनुसार डेटा की सुरक्षा और स्थानीयकरण जरूरी है। देश की सीमाओं के भीतर महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण डेटा का संग्रहण स्थानीयकरण कहलाता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, हमारे डेटा पर हमारा नियंत्रण, जो देश को सूचना लीक होने, पहचान की चोरी, सुरक्षा आदि समस्याओं के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाता है। लोकसभा में 11 फरवरी और 18 मार्च 2026 को सरकारी जवाब से लगता है कि इन डेटा सेंटरों में भारत के डेटा का स्थानीयकरण होगा। लेकिन यह धारणा गलत है।

2. जनता और किसान बिजली की कमी से जूझ रहे हैं। लेकिन डेटा सेंटरों को रियायती दरों पर 24 घंटे बिजली देने के नियम बन रहे हैं। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के अनुसार गैर-जीवाश्म ईंधन की 500 गीगावाट जरूरत को पूरा करने के लिए 30 लाख करोड़ का निवेश चाहिए। लोगों से पेट्रोल और डीजल बचाने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन भीमकाय जनरेटर सेट से चलने वाले डेटा सेंटरों के लिए डीजल की खपत और पर्यावरण को हो रही क्षति का कोई मूल्यांकन सामने नहीं आ रहा।

3. आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक स्थानीय मंदिर की 160 एकड़ भूमि को विवादित रूप से गूगल के एक डेटा सेंटर के लिए आवंटित किया गया है। प्रोजेक्ट स्थल के बगल में जलाशय और कम्बलकोंडा वन्य जीव अभयारण्य भी है। लेकिन कानून की अनदेखी करके 1 किमी दायरे में डेटा सेंटर के निर्माण की राज्य सरकार ने अनुमति दे दी है।

बड़े उद्योगों और व्यावसायिक निर्माण के लिए 2006 के कानून के अनुसार पर्यावरण की ईआईए अनुमति जरूरी है। लेकिन गूगल की आड़ में एसपीवी कम्पनियों ने 1.5 लाख मीटर से कम आकार के बिल्डिंग प्रोजेक्ट के नाम पर डेटा सेंटर के लिए पर्यावरणीय-अनुमति हासिल कर ली है।

4. ट्रम्प और टेक कम्पनियों के दबाव के बाद केंद्र सरकार ने डेटा सेंटरों के लिए 20 साल की टैक्स छूट दी है। उसी तर्ज पर आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य जीएसटी और स्टैम्प ड्यूटी जैसे सभी टैक्सों में छूट का ऐलान किया है। विदेशों से आ रही समुद्री केबल से इन डेटा सेंटरों की कनेक्टिविटी रहेगी।

संचार और रक्षा से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार की अनुमति जरूरी है, जिसकी अनदेखी की जा रही है। डेटा सेंटर स्थापित करने वाली गूगल, मेटा और अमेजन जैसी विदेशी कम्पनियों की भारत में कानूनी जवाबदेही तय करना जरूरी है।

5. आंध्र प्रदेश सरकार एक हजार मेगावाट के 3 डेटा सेंटरों के लिए जमीन और सिंगल विंडो क्लियरेंस के साथ 22 हजार करोड़ से ज्यादा की छूट दे रही है। लेकिन डेटा सेंटर की प्रोजेक्ट रिपोर्ट में निवेश और रोजगार सृजन का कोई रोडमैप नहीं दिख रहा। महाभारत में द्रोणाचार्य को भ्रमित करने के लिए युधिष्ठिर से 'नरो वा कुंजरो' का अर्धसत्य वाला संदेश भिजवाया गया था। इसी तर्ज पर बिल्डिंग की अनुमति की आड़ में डेटा सेंटर का संचालन पर्यावरण के साथ कानून के शासन के लिए खतरनाक हो सकता है। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

कुल कितने सांसद हमारे लिए अंततः पर्याप्त साबित होंगे?

हाल ही में तमिलनाडु में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता गृह मंत्री अमित शाह ने की। बैठक के दौरान तमिलनाडु और कर्नाटक ने आग्रह किया कि लोकसभा का आकार न बढ़ाया जाए। इससे पहले तमिलनाडु विधानसभा ने भी इसी आशय का एक प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन लोकसभा सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव एक और बुनियादी सवाल खड़ा करता है, जिस पर अपेक्षाकृत कम चर्चा हुई है : इतने बड़े विस्तार का संसद पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

इसका एक तात्कालिक प्रभाव वित्तीय होगा। अतिरिक्त सांसदों के वेतन-भत्तों, आवास, कर्मचारियों, यात्रा, संसदीय बुनियादी ढांचे पर खर्च होगा। वर्तमान में प्रत्येक सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र में सालाना 5 करोड़ तक के विकास कार्यों की अनुशंसा कर सकता है। सांसदों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए एमपीलैड्स का आवंटन 2,715 करोड़ से बढ़कर 4,250 करोड़ हो जाएगा- हर वर्ष 1,535 करोड़ का अतिरिक्त बोझ।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सांसदों की संख्या बढ़ाने भर से संसद स्वत: मजबूत नहीं हो जाती। दल-बदल विरोधी कानून और पार्टी व्हिप के व्यापक इस्तेमाल के कारण सांसदों की अपने राजनीतिक दल से अलग होकर स्वतंत्र रूप से मतदान करने की क्षमता काफी सीमित हो जाती है। इसलिए 300 से अधिक सांसद जोड़ने से प्रतिनिधियों की संख्या तो बढ़ सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि संसद में स्वतंत्र विधायी आवाजों की संख्या भी उसी अनुपात में बढ़े।

संसदीय समय का सवाल भी महत्वपूर्ण है। अधिक सांसदों का अर्थ होगा कि पहले से ज्यादा सदस्य प्रश्न पूछना, बहस में हिस्सा लेना और समितियों में काम करना चाहेंगे। यदि इसके साथ संसद अपने बैठने के दिनों की संख्या, प्रश्नकाल की अवधि और संसदीय समितियों की क्षमता में बदलाव नहीं करती, तो प्रत्येक सांसद को भागीदारी के कम अवसर मिलेंगे।

लोकसभा के बैठने के दिनों की औसत संख्या 1950 के दशक में सालाना 127 दिनों से घटकर 1990 के बाद लगभग 71 दिन हो गई है। इसलिए भागीदारी के अधिक अवसर पैदा किए बिना केवल सांसदों की संख्या बढ़ाने से संसद में विचार-विमर्श की गुणवत्ता बेहतर नहीं होगी।

लोकसभा के विस्तार का असर राज्यसभा पर भी पड़ेगा। राज्यसभा राज्यों के हितों को संसद में स्थान देकर एक अलग प्रकार का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है। यदि लोकसभा का आकार बढ़ाया जाता है, तो राज्यसभा का सापेक्ष संख्यात्मक प्रभाव कम होगा, विशेषकर दोनों सदनों की संयुक्त बैठकों के दौरान।

इन चिंताओं का अर्थ यह नहीं है कि लोकसभा की संख्या हमेशा के लिए 543 पर ही निश्चित कर दी जाए। इसके विस्तार पर विचार करने के ठोस कारण हैं। लोकसभा का आकार इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे तय होता है कि प्रत्येक सांसद कितने लोगों का प्रतिनिधित्व करेगा।

पहले आम चुनाव के समय लोकसभा में 489 सीटें थीं और आबादी लगभग 38 करोड़ थी। यानी प्रत्येक सांसद लगभग 8 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता था। 2024 तक भारत की आबादी लगभग 144 करोड़ हो गई, जबकि सांसदों की संख्या 543 रही। इस तरह अब औसतन एक सांसद लगभग 26.5 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

एक सांसद से संसद में केवल मतदान और विचार-विमर्श करने की अपेक्षा नहीं होती, उसे अपने निर्वाचन क्षेत्र के हितों का प्रतिनिधित्व करना और मतदाताओं की चिंताओं को सरकार के समक्ष उठाना भी होता है। निर्वाचन क्षेत्र जितना बड़ा होगा, इन जिम्मेदारियों को निभाना उतना ही कठिन हो जाएगा।

लेकिन पहले यह तय करना होगा कि हम जनसंख्या और सांसदों के किस अनुपात को हासिल करना चाहते हैं। 144 करोड़ की आबादी पर 850 सांसद होने का अर्थ होगा कि प्रत्येक सांसद औसतन करीब 17 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करेगा।

900 सांसद होने पर यह संख्या करीब 16 लाख और 1,000 सांसद होने पर लगभग 14.4 लाख रह जाएगी। फिर 850 ही उचित संतुलन क्यों है? जनसंख्या आगे भी बदलती रहेगी और उसके साथ समय-समय पर सांसदों की संख्या बढ़ाते रहने से अंतत: लोकसभा अत्यधिक बड़ी हो सकती है।

संसद को पहले यह पूछना होगा कि एक बड़ी लोकसभा पर कितना खर्च आएगा, वह किस तरह काम करेगी, क्या अतिरिक्त सांसद प्रतिनिधित्व और जवाबदेही को मजबूत करेंगे, और इन सभी पहलुओं के बीच कौन-सी संख्या सबसे उचित संतुलन स्थापित करती है।

(ये लेखकों के अपने विचार हैं)

यूसीसी का मकसद सभी के लिए एक समान नियम बनाना है

समान नागरिक संहिता भी भाजपा का एक पुराना वादा है,अब जब देश के राज्यों में भी भाजपा की सरकार बन गई हैं तो भाजपा राज्यों में सभी वर्ग,धर्म लोगों के लिए एक जैसा कानून बनाने का वादा पूरा करने जुट गई है। कई राज्यों में भाजपा सरकारों ने यूसीसी का वादा पूरा कर दिया है यानी कई राज्यों में यूसीसी लागू हो गया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। बैठकों को दौर जारी है, बैठक में धार्मिक,सामाजिक संगठनों सहित विभिन्न आयोगों, निगम, मंडल के पदाधिकारियों से सुझाव लिए जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य के नीति निदेशक तत्वों को साकार करने के उद्देश्य से गठित यूसीसी समिति के समक्ष धार्मिक सामाजिक संगठनों, विभिन्न वर्गों सहित आयोग,निगम,मंडल के पदाधिकारी लगातार सुझाव देने सहभागिता कर रहे हैं।

समान नागरिक संहिता का मकसद प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए धर्म,जाति,पंथ से परे विवाह,तलाक,उत्तराधिकार,गोद लेने जैसे पारिवारिक मामलों में एक समान नियम बनाना है।इसके तहत अलग अलग वर्गों में मौखिक तलाक और कुछ धार्मिक कुप्रथाओं पर रोक लगाई जाएगी।इसका मकसद धर्म समुदाय से परे हटकर सभी लोगों के लिए एक विधिक ढांचा तैयार करना है।कई मामलों में महिलाओं का बराबर का अधिकार नहीं है, ऐसे मामलो में महिलाओं को बराबर का अधिकार देने का प्रयास किया जाएगा। ऐसे जो भी नियम है,असमानता को बढ़ावा देने वाले उनको समाप्त किया जाएगा।वर्तमान में लागू विभिन्न व्यक्तिगत कानूनो की जटिलताओं और भ्रम को दूर कर एक स्पष्ट और सुव्यवस्थित संहिता का निर्माण करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की तैयारी तेज हो गई है।इसके लिए उच्चस्तरीय समिति बना दी गई है। पांच सदस्यीय समिति को आम लोग,धार्मिक संगठन,सामाजिक संगठन,आयोग,निगम,मंडल,विशेषज्ञ 15 अक्टूबर 2026 तक अपना सुझाव दे सकते हैं। इसके बाद सुझावों का अध्ययन कर ड्राफ्ट बनाया जाएगा और सरकार को सौंपा जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में यूसीसी विधेयक को पेश किया जा सकता है।भाजपा कोई अच्छा काम करे और कांग्रेस उसका विरोध न करे ऐसा होता नहीं है। भाजपा ने जैसे ही यूसीसी की तैयारी शुरू की कांग्रेस की तरफ से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि आदिवासियों के अधिकार कम करने,परंपराओं,मान्यताओं को समाप्त करने के लिए यूसीसी लाया जा रहा है।यही वजह है भाजपा ने हाल ही में न्यू सर्किट हाउस में आयोजित परिचर्चा में बस्तर से सरगुजा तक के आदिवासियों प्रतिनिधियों,विभिन्न आयोगों के पदाधिकारियों से विवाह,तलाक,भरणपोषण,उत्तराधिकार,लिव इन पर सुझाव लिए गए है।इस मौके पर कंवर,गोंड,बैगा और उरांव जातियों के प्रतिनिधियों ने यूसीसी में आदिवासी समाज की पारंपरिक प्रथाओं,रीतिरिवाजों और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।भाजपा शासित जिन राज्यों में यूसीसी लागू किया गया है वहां पर अनुसूचित जनजातियों को यूसीसी से बाहर रखा गया है।जैसे उत्तराखंड में अजजा को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।गुजरात में पारित विधेयक में अजजा को उनके पारंपरिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए छूट दी गई है।असम और मप्र में भी जनजातीय समुदायों को यूसीसी के प्रावधानों से मुक्त रखा गया है।

महिला आयोग ने भी महिलाओं के अधिकारों,सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सुझाव दिए हैं।यूसीसी के लिए मुसलमान समाज के प्रबुध्द लोगों की बैठक हुई तो उसमें समाज के अधिवक्ता,कानून के जानकार,उलेमा,मुफ्ती,शहर काजी,कुरान,शरीयत के जानकार,विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने विचार विमर्श किया गया।तय किया गया कि यूसीसी में सुझाव देने के लिए राज्यस्तरीय समिति बनाई जाएगी जो जिलों में जाकर लोगों से सलाह मश्वरा करेगी।बैठक में कहा गया कि यूसीसी के मुद्दो पर विरोध के बजाय रचनात्मक संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी।भारतीय संविधान में निहित समानता,न्याय,धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखते हुए।मुस्लिम समाज के सुझावों को यूसीसी समिति के समक्ष रखा जाएगा।

स्कूलों की हकीकत बयान कर रहे हैं 'जेन-अल्फा' के प्रदर्शन

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

'स्कूल ठीक करो' अभियान के चलते पहली बार हमें उस भयावह वास्तविकता का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके साथ देशभर के कई प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के विद्यार्थी हर दिन जीते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों की हालत इतनी खस्ता है कि स्कूली बच्चे- या कहें जेन अल्फा- हाल के सीजेपी-नेतृत्व वाले जेन-जी प्रदर्शनों से प्रेरित होकर सड़कों पर उतर आए हैं और टॉयलेट, पेयजल, कक्षाओं, पक्की सड़कों और सबसे बढ़कर शिक्षकों जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं।

जेन-अल्फा के विरोध-प्रदर्शन यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और बिहार तक पहुंच चुके हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक को लेकर जेन-जी ने देशभर के प्रमुख शहरों को ठप कर दिया था और शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया था। इससे सरकार पहले ही बैकफुट पर थी। लेकिन स्कूली बच्चों का प्रदर्शन करना तो सरकार के लिए दु:स्वप्न जैसी स्थिति है। इन बच्चों पर पुलिस भी बलप्रयोग नहीं कर सकती।

विडम्बना तो यह है कि सरकार का अपना आधिकारिक आंकड़ा ही ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की बदहाल स्थिति की तस्वीर पेश करता है। नीति आयोग के एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि पिछले एक दशक में 94,000 से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं।

इनमें अकेले यूपी के 26,000 स्कूल शामिल हैं। सरकारी स्कूलों को चलाए रखने के लिए घटते वित्तीय संसाधनों के अलावा, उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ने की ऊंची दर का मतलब है कि कक्षाएं खाली हो रही हैं। करीब 73 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देते हैं।

नीति आयोग के सर्वेक्षण में इस ऊंची ड्रॉप-आउट दर के कई कारण बताए गए हैं। जिन अभिभावकों की आर्थिक क्षमता है, वे अपने बच्चों को अपेक्षाकृत महंगे निजी स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, जहां शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होती है। जो ऐसा नहीं कर सकते, वे माध्यमिक स्तर पर अपने बच्चों को स्कूल से निकाल लेते हैं, क्योंकि सरकारी संस्थानों में भी यूनिफॉर्म, किताबों, परीक्षा शुल्क आदि जैसे खर्च हैं, जिन्हें वहन करना उनके लिए संभव नहीं होता। इसके विपरीत, प्राथमिक शिक्षा लगभग पूरी तरह नि:शुल्क है।

गरीब परिवारों पर आर्थिक दबाव भी ऐसे हैं कि बच्चों को परिवार की आय बढ़ाने के लिए स्कूल छोड़कर कामकाज में लगना पड़ता है। वर्ष 2020-21 के पीरियोडिक लेबर-फोर्स सर्वे में पाया गया कि 14 से 17 वर्ष उम्र के 31 प्रतिशत किशोर काम कर रहे थे, जबकि 25 प्रतिशत लड़कियों ने घरेलू कामों में अपनी मांओं की मदद करने के लिए पढ़ाई छोड़ दी थी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

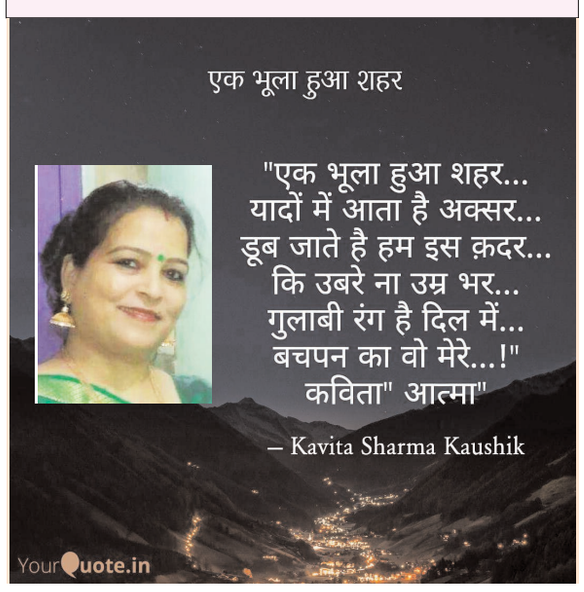

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

गोस्वामीजी की मान्यता यह है कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति का हृदय बदल जाएगा यह कहना भी अतिरेक है। क्योंकि जो व्यक्ति ऐसे हैं जिनका हृदय बदल सकता है उन्हीं का हृदय बदला जाना चाहिए। इस विषय में गोस्वामीजी का तात्विक संकेत यह है कि भई ! जो लोग दुर्गुणों के रोगी हैं उनको तो दवा देकर स्वस्थ करना चाहिए। जैसे रोगी अस्वस्थ होने पर स्वयं यह समझता है कि मुझमें यह रोग आ गया है और मेरा रोग दूर हो जाए। इसी प्रकार से जिस व्यक्ति के अंतर्मन में यह बात आ गई कि मुझमें तो यह कमी आ गई, मुझमें क्रोध आ गया, मुझमें लोभ आ गया, मुझमें अहंकार आ गया वह व्यक्ति एक रोगी की भांति है। और अगर उसको योग्य चिकित्सक मिलेगा तो वह अच्छा हो जाएगा और यदि ऐसे व्यक्ति को दुर्गुणों के लिए दण्ड दिया जाए तो वह अन्याय होगा। इसलिए ऐसे व्यक्ति के दुर्गुणों को तो रोग मानकर उसे दवा देकर उसके मन के रोगों को दूर करना चाहिए। भगवान श्रीराघवेंद्र जब राक्षसों का संहार करते हैं तो हम मानो दंड की प्रक्रिया है और जब हम रामचरितमानस के अनेक पात्रों के जीवन में हृदय परिवर्तन की प्रक्रिया देखते हैं तो यह हृदय बदलने की प्रक्रिया है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

जन्माष्टमी पर पूरे छत्तीसगढ़ में ड्राई डेःशराब दुकानें, बार-होटल और क्लब रहेंगे बंद, रायपुर में अनंत चतुर्दशी तक मांस-मटन की बिक्री पर भी रोक

रायपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर, शुक्रवार को पूरे छत्तीसगढ़ में ड्राई डे (शुष्क दिवस) रहेगा। इस दिन शराब की बिक्री और परोसने पर रोक रहेगी। साथ ही रायपुर में मांस-मटन की दुकानें और पशुवध गृह भी बंद रहेंगे। इसके अलावा सितंबर में आने वाले 6 अन्य धार्मिक पर्वों पर भी रायपुर में मांस-मटन की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी।

राज्य शासन के वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग ने 4 सितंबर को शुष्क दिवस घोषित किया है। इस दिन देशी-विदेशी शराब की सभी दुकानें, रेस्टोरेंट बार, होटल-बार, क्लब, अहाता और शराब बेचने या परोसने वाले सभी लाइसेंसी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। भांग और भांगघोटा की दुकानें भी नहीं खुलेंगी।

ड्राई डे के दौरान किसी होटल, रेस्टोरेंट, क्लब या अन्य जगह पर शराब बेचने और परोसने की अनुमति नहीं होगी। व्यक्तिगत रूप से शराब का भंडारण करने और गैर-लाइसेंसी जगहों पर शराब रखने पर भी रोक रहेगी। नियम तोड़ने पर शराब जब्त कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब की बिक्री और परिवहन रोकने के लिए आबकारी विभाग की टीमें भी निगरानी करेंगी।

वहीं, रायपुर में सितंबर में आने वाले प्रमुख धार्मिक पर्वों के दौरान मांस-मटन की बिक्री पर पूरी तरह रोक रहेगी। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने शासन के आदेश के तहत प्रतिबंध के दिन तय कर दिए हैं। इन दिनों शहर की मांस-मटन दुकानों के साथ पशुवध गृह भी बंद रहेंगे।

दुकानों के साथ होटलों पर भी नजर

हापौर मीनल चौबे के निर्देश पर निगम की टीम दुकानों के साथ होटलों पर भी नजर रखेगी। प्रतिबंध के बावजूद कहीं मांस-मटन बिकता मिला तो मौके पर ही सामग्री जब्त कर संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इन सभी दिनों में निगम के पूरे क्षेत्र में पशुवध गृह और मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी।

निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित करेंगे। मांस-मटन की दुकानों की निगरानी के साथ यह भी देखा जाएगा कि प्रतिबंध वाले दिनों में होटल या अन्य स्थानों पर चोरी-छिपे मांस-मटन की बिक्री तो नहीं हो रही।

अगर किसी होटल या अन्य प्रतिष्ठान में बिक्री होती मिली तो निगम की टीम मांस-मटन जब्त करने के साथ संबंधित व्यक्ति या संस्था पर नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

4 सितंबर से शुरू होगा प्रतिबंध

धार्मिक पर्वों के चलते यह कार्रवाई 4 सितंबर से शुरू होगी और 26 सितंबर तक अलग-अलग पर्वों पर लागू रहेगी। निगम ने जोन स्तर के अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

बीएड कॉलेज में वित्त की क्लास, छात्रों ने सीखे निवेश के टिप्स

रायपुर। फाइनेंस एक्सपर्ट्स ने शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में वित्तीय प्रबंधन की क्लास ली। शंकर नगर स्थित इस कॉलेज में बीएड और एमएड के छात्रों को दैनिक जीवन में फाइनेंसियल मैनेजमेंट के व्यावहारिक टिप्स दिए गए। इसमें आय-व्यय का संतुलन, बजट निर्माण, नियमित बचत, आपातकालीन निधि, बैंकिंग सेवाओं, म्यूचुअल फंड और एसआईपी जैसे विषय शामिल थे। विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में वित्तीय विशेषज्ञ विजय अग्रवाल, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के क्लस्टर हेड अमित गिरी और सीनियर मैनेजर मीनाक्षी त्रिपाठी मौजूद रहे।

प्राचार्य शेफाली मिश्रा ने कहा कि शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक है। यह भविष्य में आत्मनिर्भर और विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर कल्पना देशमुख, डॉ. सीमा अग्रवाल और पूनम साहू सहित कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सीमा अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

प्राचार्यों की पदोन्नति से संबंधित पूरी कार्रवाई 15 सितंबर तक करने के निर्देश

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने जताई नाराजगीः 625 असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती की रफ्तार धीमी, घोषणा हुई पर विज्ञापन नहीं आया

रायपुर। प्रदेश के शासकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 625 पदों पर भर्ती की घोषणा के करीब एक साल बाद भी विज्ञापन जारी नहीं हुआ है। सितंबर शुरू होने के बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने पर उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने अधिकारियों को भर्ती में आ रही रुकावटें तत्काल दूर करने और अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्राध्यापकों के 595 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया तेज करने को कहा है।

राज्य शासन ने पिछले साल शासकीय कॉलेजों में 700 पदों पर भर्ती की घोषणा की थी। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक और 75 पद ग्रंथपाल व क्रीड़ा अधिकारी के हैं। घोषणा के बाद 2025 में ही वैकेंसी आने की संभावना थी, लेकिन आरक्षण रोस्टर व अन्य कारणों से भर्ती अटक गई। इस साल उच्च शिक्षा विभाग ने सीजीपीएससी को प्रस्ताव भी भेजा, फिर भी अब तक विज्ञापन जारी नहीं हुआ।

मंत्री वर्मा ने बुधवार को मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक में असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर भर्ती की स्थिति जानी। उन्होंने 1 जुलाई 2026 की पिछली बैठक के निर्णयों पर हुई कार्रवाई की भी बिंदुवार समीक्षा की। समय-सीमा वाले कार्यों में देरी पर प्रशासनिक ढिलाई दूर करने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

अतिथि व्याख्याताओं के कार्यों का औचक निरीक्षण होगा

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कॉलेजों में पदस्थ अतिथि व्याख्याताओं के शिक्षकीय कार्यों का नियमित आकस्मिक निरीक्षण किया जाएगा। समीक्षा

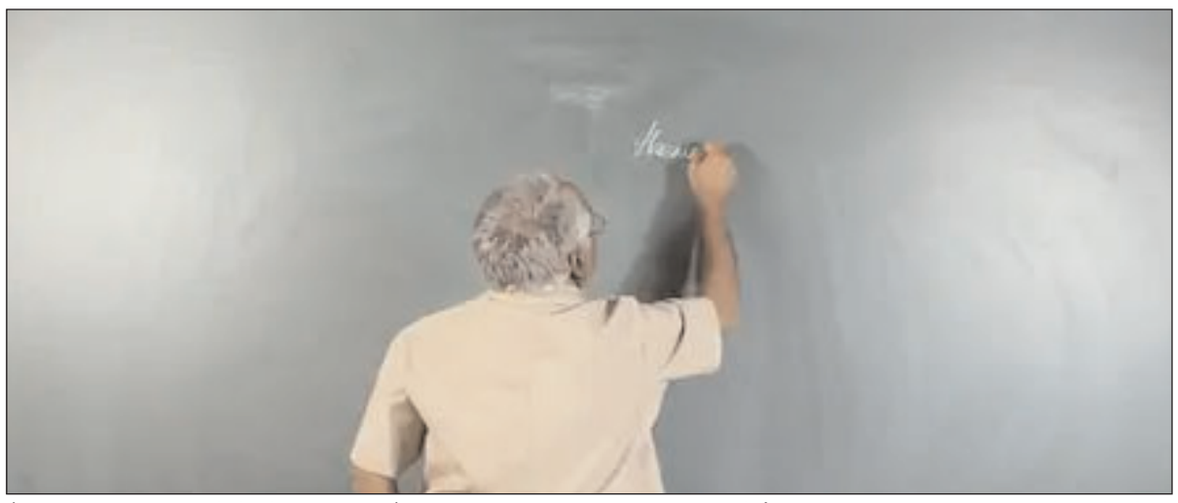

बैठक में शासकीय कॉलेजों में स्नातक प्राचार्यों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने यह प्रक्रिया 15 सितंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही अपात्र होने के बावजूद पदोन्नति पाने वाले प्राध्यापकों के मामलों की जांच और उन पर अब तक की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई।

भर्ती प्रस्ताव में इन 9 बिंदुओं पर थी आपत्ति

शासकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर, ग्रंथपाल और क्रीड़ाधिकारी भर्ती के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने इस साल अप्रैल में प्रस्ताव छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) को भेजा था। आयोग ने 9 बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज कर प्रस्ताव लौटा दिया। सबसे प्रमुख आपत्ति स्नातक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता को लेकर थी। यह शर्त यूजीसी रेगुलेशन-2018 के अनुरूप नहीं थी। इसके कारण नेट, सेट और पीएचडी उत्तीर्ण कई अभ्यर्थी पिछली भर्ती में आवेदन से वंचित रह गए थे।

यूजीसी नियमों में संशोधन के बावजूद उच्च शिक्षा विभाग के

भर्ती नियम में यह शर्त बनी हुई थी, जिसे 11 साल पहले जोड़ा गया था। इसके अलावा आरक्षण रोस्टर, दिव्यांगता श्रेणी का विवरण, सह-विषयों की स्पष्टता और आयु सीमा में छूट सहित अन्य बिंदुओं पर भी आपत्तियां थीं। इनके निराकरण के लिए समिति गठित की गई थी। अब आपत्तियों का निराकरण कर संशोधित प्रस्ताव आयोग को भेजने की तैयारी है। इसके बाद भर्ती विज्ञापन जारी होने की संभावना है।

आधी आबादी देश की सबसे बड़ी ताकतः रूपकुमारी

रायपुर। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि महिलाएं अब केवल आधी आबादी नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की बड़ी ताकत बन चुकी हैं। बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं से देश की करीब 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, शताब्दी पाण्डेय, डॉ. किरण बघेल और कृतिका जैन उपस्थित रहीं।

रूपकुमारी चौधरी से पहले छत्तीसगढ़ की दो महिला नेता भाजपा संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पदों पर रह चुकी हैं। करुणा शुक्ला भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं। वे 2004 में जांजगीर लोकसभा सीट से सांसद चुनी गई थीं। दुर्ग की डॉ. सरोज पाण्डेय भी भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और बाद में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव रहीं। उनके नाम एक ही समय में मेयर, विधायक और 2009 में सांसद रहने का अनूठा रिकॉर्ड भी दर्ज है। अब महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी भी इस कड़ी में शामिल हो गई हैं।

प्रवेश की टाइम लाइन बदलीः निजी स्कूलों में गरीब बच्चों का दाखिला 6 माह पहले पूरा हो जाएगा, अब एक चरण में ही होगा एडमिशन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के मुफ्त दाखिले की व्यवस्था में सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। इस बार पूरी प्रक्रिया लगभग 6 महीने पहले ही पूरी कर ली जाएगी। पिछले साल जहां दाखिले की प्रक्रिया अगस्त के महीने तक खिंची थी, वहीं इस बार फरवरी 2027 में ही दाखिले बंद हो जाएंगे।

दरअसल, शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने नया टाइम लाइन तैयार किया है। यदि नए टाइम लाइन के अनुसार आरटीई के तहत आवेदन मंगाने और एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की गई तो गरीब बच्चों की भी क्लास समय से लग सकेगी।

नवंबर-दिसंबर में ही शुरू हो जाएगी प्रक्रिया :

सत्र 2026-27 के लिए आवेदन की प्रक्रिया 16 फरवरी से 31 मार्च 2026 तक चली थी। लेकिन सत्र 2027-28 के लिए ऑनलाइन आवेदन इस बार 1 दिसंबर से 31 दिसंबर 2026 तक ही ले लिए जाएंगे।

जल्दी जारी होगी लॉटरी: पिछले सत्र में पहले चरण की कंप्यूटर लॉटरी 13 से 17 अप्रैल 2026 के बीच खुली थी। इस बार लॉटरी बहुत पहले यानी 11-12 जनवरी 2027 को ही निकाल दी जाएगी।

एक बार में मिलेगा एडमिशन

सत्र 2026-27 में प्रवेश के दो अलग-अलग चरण (प्रथम और द्वितीय) आयोजित किए गए थे, जिसके कारण प्रक्रिया 17 अगस्त 2026 तक चली थी। 2027-28 से केवल एक ही चरण का शेड्यूल जारी किया गया है, यानी एडमिशन की प्रक्रिया एक बार में पूरी कर ली जाएगी। नए शेड्यूल के तहत तहत 10 फरवरी 2027 तक दाखिला पूरा हो जाएगा।

अब तक छत्तीसगढ़ में स्कूलों का नया सत्र जून के मध्य से शुरू होता था. लेकिन राज्य सरकार ने 8 जुलाई 2026 को एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत अब छत्तीसगढ़ में भी देश के अन्य बड़े शिक्षा बोर्डों की तरह नया शिक्षा सत्र हर साल 1 अप्रैल से शुरू होकर 31 मार्च तक चलेगा।

इसी नए सत्र के साथ तालमेल बिठाने के लिए आरटीई दाखिले को पहले खिसकाया गया है। अगर आरटीई की प्रक्रिया पहले की तरह जून-अगस्त तक चलती, तो गरीब बच्चों की करीब तीन महीने की पढ़ाई का नुकसान हो जाता। अब फरवरी में ही दाखिला हो जाने से ये बच्चे भी 1 अप्रैल से अन्य बच्चों के साथ पहले दिन से ही स्कूल जा सकेंगे।

'यह सिर्फ 50 बेड की मंजूरी नहीं, धरसींवा के हर नागरिक के स्वास्थ्य की गारंटी है' : विधायक अनुज शर्मा

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा के सतत प्रयासों से शासन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा के 50 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन और आवश्यक निर्माण कार्यों के लिए ?97.18 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। इस ऐतिहासिक सौगात के बाद से पूरे धरसींवा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

मीडिया से चर्चा के दौरान इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 'आज का दिन हमारे पूरे धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के लिए बेहद खुशी का दिन है। स्वास्थ्य सुविधाएं किसी भी क्षेत्र की प्रगति और जन-कल्याण की रीढ़ होती हैं। लंबे समय से हमारे क्षेत्र में एक सर्वसुविधायुक्त अस्पताल की मांग महसूस की जा रही थी, जिसे पूरा करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल था। मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि हमारे निरंतर प्रयासों को सफलता मिली है। 'उन्होंने आगे कहा, 'यह सिर्फ ?97.18 लाख का बजट या 50 बेड की मंजूरी भर नहीं है, बल्कि धरसींवा के हर उस गरीब, किसान और आम नागरिक के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की जीत है। यह धरसींवा की माताओं-बहनों की सेहत की गारंटी है, हमारे बुजुर्गों के बेहतर इलाज का भरोसा है, और बच्चों के सुरक्षित भविष्य की नींव है।'

रायपुर जाने की मजबूरी से मिलेगी मुक्ति, मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि जब भी कोई बीमार पड़ता है, तो परिवार को सबसे बड़ी चिंता यही होती है कि इलाज के लिए दूर रायपुर भागना पड़ेगा या पास में ही सहारा मिल जाएगा। इसी चिंता को दूर करना मेरा लक्ष्य था। अब हमारे ग्रामीणों को आपातकालीन इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने संकल्प दोहराते हुए कहा कि विकास का यह रथ यहीं नहीं रुकेगा; शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे सहित धरसींवा को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाना ही उनका संकल्प है। इस सौगात के लिए विधायक ने धरसींवा की समस्त जनता की ओर से मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर धरसींवा क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने विधायक अनुज शर्मा का आत्मीय आभार व्यक्त किया है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि हमारे लोकप्रिय एवं संवेदनशील विधायक अनुज शर्मा के सतत प्रयासों और दूरदर्शी सोच का ही यह परिणाम है कि क्षेत्र को इतनी बड़ी सौगात मिली है।

विधायक अनुज शर्मा ने धरसींवा में लगाया 'जनदर्शन', ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर किया त्वरित निवारण

धरसींवा। क्षेत्र की जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और आमजन से सीधा जुड़ाव बनाने के उद्देश्य से धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने आज सेवा सदन धरसींवा में 'जनदर्शन' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर उनकी मांगें, शिकायतें और समस्याएं बेहद संवेदनशीलता के साथ सुनीं तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जनदर्शन में बड़ी संख्या में धरसींवा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से बिजली, सड़क मरम्मत, राशन कार्ड, स्वास्थ्य सहायता और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से जुड़ी समस्याओं से विधायक को अवगत कराया।

जनता की सेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकताः विधायक

मीडिया से चर्चा के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 'जनता ने मुझे अपनी सेवा के लिए चुना है, और उनके सुख-दुख में शामिल होकर उनकी समस्याओं को दूर करना ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।' उन्होंने आगे कहा कि इस जनदर्शन का उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का प्रभावी निराकरण करना है। हम हर व्यक्ति तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

विधायक अनुज शर्मा ने कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अब प्रशासनिक गतिविधियों की सतत और कठोर निगरानी की जाएगी। जो अधिकारी-कर्मचारी आम आदमी को परेशान कर शासन की जनकल्याणकारी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। यह जनदर्शन जमीनी स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

उन्होंने आगे कहा, 'आज के जनदर्शन में राशन, बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य से जुड़ी कई शिकायतें और सुझाव सामने आए हैं। मैंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि जनता के काम में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

अंतिम छोर के व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना लक्ष्यः

विधायक ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र के किसान, गरीब, मजदूर और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों तक अनिवार्य रूप से पहुंचे।

विधायक ने अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, 'हमारा लक्ष्य सिर्फ कागजों पर काम करना नहीं, बल्कि धरातल पर आपकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना है। कोई भी कर्मचारी नियम-कानून की ओट लेकर जनसामान्य को परेशान न कर सके।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और अवसर लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। पुराने प्रोजेक्ट को सफलता मिलेगी। यदि नौकरी में परिवर्तन का विचार चल रहा है, तो आज सही दिशा मिल सकती है। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होती दिख रही है, परंतु अनावश्यक खर्च न बढ़ने दें। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा,

वृषभ। आज आपकी व्यावहारिक सोच कमाल दिखाएगी। धन संबंधी योजनाओं में प्रगति होगी और किसी रुके पैसे की वापसी संभव है। नौकरी वाले लोगों को नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा। व्यापारियों के लिए साझेदारी वाले कार्य में सावधानी जरूरी है। परिवार में किसी सदस्य की सलाह लाभ देगी। रिश्तों में भावनाओं की जगह समझदारी रखें।

मिथुन। आज भाग्य आपका साथ देगा और कई कार्य सहज रूप से पूरे होंगे। नए संपर्क बनेंगे, जो भविष्य में बड़ा लाभ दे सकते हैं। छात्रों के लिए समय अत्यंत अनुकूल—किसी परीक्षा या इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। परिवार में माहौल सकारात्मक रहेगा। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। प्रेम में छोटी गलतफहमियां दूर होंगी। खर्च बढ़ सकता है,

कर्क। आज आपको धैर्य और संभलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। क्रोध और भावनाओं में लिए गए निर्णय नुकसान दे सकते हैं। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखें। आर्थिक मामलों में अभी बड़ा निवेश टालना बेहतर रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की चिंता बढ़ सकती है। माता-पिता का स्वास्थ्य ध्यान मांग सकता है। प्रेम संबंधों में मानसिक दूरी महसूस होगी, बातचीत जरूरी है। विशेषकर हृदय और मानसिक तनाव पर ध्यान दें।

सिंह। आज का दिन उपलब्धियों से भरा रहेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता उभरकर आएगी और लोग आपकी बात मानेंगे। नौकरी में पदोन्नति या सम्मान के संकेत हैं। व्यवसाय में नया समझौता लाभदायक होगा। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंध में भरोसा और नजदीकियां बढ़ेंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, पर खान-पान संतुलित रखें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन आंखों की समस्या हो सकती है।

कन्या। आज विश्लेषण और योजना की क्षमता बढ़ेगी। कार्य में व्यवस्थित रहेंगे, जिससे परिणाम सकारात्मक मिलेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन उत्तम—एकाग्रता मजबूत होगी। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के संकेत हैं, पर दस्तावेज़ जांचकर ही कोई निर्णय लें। परिवार में मेल-जोल बढ़ेगा। प्रेम में विचारों का आदान-प्रदान संबंध मजबूत करेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर गैस-अम्लता से परेशानी हो सकती है।

तुला। आज भाग्य मजबूत रहेगा और कार्य आपके पक्ष में मुड़ेंगे। विदेश संपर्क, शिक्षा या यात्रा से लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार तेजी से होगा। परिवार में शांति और सौहार्द रहेगा। विवाहित लोगों के लिए समय सकारात्मक और प्रेमी जोड़ों के लिए यादगार पलों वाला। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, पर ठंड से सावधान रहें। किसी रिश्तेदार से मतभेद दूर हो सकते हैं।

वृश्चिक। आज मेहनत का फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा और मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी पुराने विवाद का समाधान हो सकता है। धन निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। परिवार में नेतृत्व भूमिका निभानी पड़ सकती है। प्रेमियों को एक-दूसरे को समय देना होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा लेकिन रक्तचाप और तनाव नियंत्रित रखें। प्रेम संबंधों में आपका व्यवहार निर्णायक रहेगा—या तो रिश्ता मजबूत होगा या टूट सकता है।

धनु। आज भाग्य पूरी तरह साथ देगा। करियर में नए अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ दिन। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधि में रुचि बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल हो सकता है। प्रेम संबंध विवाह की दिशा में बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खासकर घुटने और पेट की समस्या से बचें। धन लाभ और मान सम्मान बढ़ेगा। नौकरी वालों को प्रमोशन या प्रशंसा मिल सकती है। स्वास्थ्य चुस्त रहेगा और आत्मविश्वास ऊंचा होगा। प्रेम में नए रिश्ते का आरंभ हो सकता है।

मकर। आज आपआज मेहनत और धैर्य की जरूरत है। परिणाम देर से मिलेंगे पर स्थायी होंगे। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होगी। परिवार में पुरानी बातों पर बहस न करें। प्रेम संबंध स्थिर रहेंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन कमजोरी महसूस हो सकती है। विशेषकर व्यवसायियों के लिए समय अनुकूल। प्रेम संबंधों में सुधार आएगा, किसी पुराने मुद्दे का हल निकलेगा। व्यापार में नए अनुबंध मिल सकते हैं। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम जीवन में कुछ कड़वे लेकिन जरूरी संवाद होंगे,

कुंभ। आज आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। नई शुरुआत या बदलाव शुभ रहेगा। आर्थिक लाभ और नए संपर्क बनेंगे। परिवार और दोस्तों के साथ समय अच्छा बितेगा। प्रेम संबंधों में विश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य में सुधार। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मानसिक शांति के लिए प्रकृति के संपर्क में रहें। प्रेम जीवन में प्रगति के संकेत। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। मित्रों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान और यात्रा लाभकारी होगी।

मीन। आज आपका अंतर्ज्ञान मजबूत रहेगा। निर्णय सोच-समझकर लें। धन लाभ के योग हैं। नौकरी और व्यापार में प्रगति संभव। परिवार में स्नेह और सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंध में गहराई आएगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। करियर में नई दिशा मिलेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य में सुधार और मन की शांति मिलेगी। प्रेम संबंधों में गहरा भावनात्मक जुड़ाव होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. सफलता अभी थोड़ी देर से मिलेगी. मौसम से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं. **उपाय:** विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और गुरुवार को केले का दान दें.आर्थिक मामलों में सतर्कता आवश्यक है।

1 जून से 2 सितंबर तक झारखंड में सामान्य बारिश 815.6 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि 818.4 एमएम बारिश दर्ज की गई

झारखंड में कई जिलों में भारी बारिश के आसार: 9 को फिर बनेगा लो प्रेशर; अगले 6 दिन बदला-बदला रहेगा मौसम

रांची। झारखंड में अगले 6 दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज से राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आज और कल कहीं-कहीं मेघगर्जन और वज्रपात के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

हालांकि, बारिश की गतिविधि के बीच अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। इससे उमस वाली गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। रांची का अधिकतम तापमान 26-28 डिग्री से बढ़कर करीब 30 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

बारिश की गतिविधि के बीच अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। इससे उमस वाली गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है।

बारिश की गतिविधि के बीच अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। इससे उमस वाली गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार बंगाल की खाड़ी में 9 सितंबर को फिर लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इसका असर झारखंड में भी दिखेगा। देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, जमशेदपुर, चाईबासा और सरायकेला-खरसावां के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी है। अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

2 सितंबर तक सामान्य बारिश का कोटा पूरा

मानसून की शुरुआत में अल-नीनो के प्रभाव और कम बारिश के कारण झारखंड में सूखे की आशंका जताई जा रही थी। जून और जुलाई में भी बारिश की स्थिति चिंताजनक रही थी। धानरोपनी से लेकर जलाशयों तक में पानी की कमी दिखाई देने लगी थी। लेकिन अगस्त में बंगाल की खाड़ी में लगातार बने लो प्रेशर और साइक्लोनिक सर्कुलेशन ने मौसम की तस्वीर बदल दी।

पिछले तीन दिनों से हुई लगातार बारिश के कारण 2 सितंबर तक राज्य में होने वाली सामान्य बारिश का कोटा पूरा हो गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 2 सितंबर तक झारखंड में सामान्य बारिश 815.6 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि 818.4 एमएम बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य से 3 प्रतिशत अधिक है। यानी इस अवधि की सामान्य बारिश का 100 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है।

मानसून की वापसी में अभी करीब 28 दिन बाकी हैं। इस दौरान करीब 200 एमएम और बारिश होने पर पूरे मानसून सीजन की सामान्य बारिश का कोटा भी पूरा हो जाएगा। झारखंड में मानसून के दौरान सामान्य बारिश 1022 एमएम मानी जाती है।

असामान्य बारिश से 9 जिलों में अब भी कमी

राज्य के औसत आंकड़े सामान्य से अधिक बारिश दिखा रहे हैं, लेकिन जिलों में बारिश का वितरण एक जैसा नहीं रहा है। नौ जिलों में अब भी सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। पाकुड़ में 459.3 एमएम बारिश हुई, जबकि सामान्य तौर पर 919.2 एमएम होनी चाहिए थी। देवघर में 511.1 के मुकाबले 764.5 एमएम, चतरा में 526.5 के मुकाबले 753.7 एमएम और गोड्डा में 531.8 के मुकाबले 703.2 एमएम बारिश होनी थी।

समीक्षा बैठक में सीएम का निर्देश: झारखंड में अब बिना ड्रेनेज के नहीं बनेगी कोई भी सड़क, बंद होंगे खतरनाक रोड, मिलेगा नया वेंडर मार्केट

रांची। राजधानी रांची समेत राज्य के प्रमुख शहरों को जलजमाव, ट्रैफिक जाम, लटकते तारों और सड़क किनारे लगे अव्यवस्थित ठेलों से जल्दी ही मुक्ति मिलेगी। बुधवार को नगर विकास एवं पथ निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए नई कार्ययोजना बनाने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शहरी विकास अब टुकड़ों में नहीं, बल्कि एकीकृत तरीके से होगा। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि अब सड़क निर्माण में ड्रेनेज सिस्टम अनिवार्य हिस्सा होगा।

मुख्यमंत्री ने अनावश्यक रोड कट को बंद करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कट की वजह से यातायात बाधित होता है और हादसे की आशंका बढ़ती है। इसलिए अब चौक-चौराहों और निर्धारित स्थानों से ही वाहनों के सुरक्षित टर्निंग की व्यवस्था विकसित करें। इस ?के लिए संबंधित विभाग रोड नेटवर्क और यातायात व्यवस्था का अध्ययन कर इसमें सुधार करें। फायदा क्या... अनावश्यक रोड कट बंद होने से जाम और दुर्घटना का जोखिम घटेगा।

सड़क किनारे ठेला-गुमटी और छोटे व्यवसाय से जगह-जगह जाम की समस्या रहती है। ऐसे वेंडर्स को चिह्नित कर उन्हें व्यवस्थित और सम्मानजनक जगह उपलब्ध कराएं। हर वार्ड में जरूरत के अनुसार वेंडर मार्केट विकसित करने की दिशा में काम करें। यह भी सुनिश्चित करें वेंडर्स की आजीविका प्रभावित न हो। फायदा क्या... हर वार्ड में वेंडर मार्केट बनने से सड़क किनारे जाम से मुक्ति मिलेगी।

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए बसों की संख्या, उनके रूट और समय-सारिणी का विस्तृत डेटा तैयार किया जाएगा। इससे यह पता रहेगा कि किन रूटों पर बसों की कमी है और कहां ज्यादा दबाव है। कहां व्यवस्था बेहतर करने की जरूरत है। इसका उद्देश्य अनावश्यक भीड़ और ट्रैफिक दबाव को कम करना है। फायदा क्या... रूट और टाइमिंग व्यवस्थित होने से यात्रा सुगम होगी।

सरकारी जमीन पर कब्जे की होगी पहचान

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को चिह्नित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इससे सड़क किनारे अति ?क्रमण की समस्या दूर कर प्रभावित लोगों, खासकर छोटे वेंडर्स के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने पर जोर दिया गया है। फायदा क्या...अतिक्रमण हटने से शहर खुला-खुला दिखेगा।

महिला सुपरवाइजर नियुक्तिः सिंगल बेंच के आदेश पर लगाई रोक, अभ्यर्थियों से मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को महिला सुपरवाइजर नियुक्ति मामले में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने एकल पीठ के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें जेएसएससी द्वारा दस्तावेज सत्यापन के दौरान कुछ अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी रद्द करने के फैसले को निरस्त किया गया था। कोर्ट ने 32 अभ्यर्थियों से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी।

सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर से वकील संजय पिपरावाल व जयप्रकाश ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि जेएसएससी ने महिला सुपरवाइजर के 444 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था।

एसआईआर; रांची के 6.44 लाख वोटरों को नोटिसः मैपिंग के बाद भी नोटिस, अब कागजात लेकर दौड़ लगा रहे वोटर

रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)- 2026 के तहत 5 अगस्त को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित होने के बाद राजधानी रांची सहित पूरे जिले में लाखों मतदाताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिले के सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों में मैपिंग का काम पूरा होने के बाद जब ड्राफ्ट जारी हुआ, तो लाखों ऐसे नाम सामने आए जिनकी मैपिंग ही नहीं हुई या उनके जमा दस्तावेजों से उनकी पहचान पुख्ता नहीं हो सकी। इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए रांची जिला प्रशासन ने सातों विधानसभा क्षेत्रों के कुल 6,44,071 मतदाताओं को नोटिस जारी किया है।

इसमें 2,08,801 वोटरों को मैपिंग नहीं होने और 4,35,270 वोटरों के नाम-उम्र, परिवार से उनका मिलान नहीं होने पर नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन द्वारा जारी नोटिस में मतदाताओं को तय तारीख और स्थान पर पहुंचकर पहचान के दस्तावेज जमा कराने का निर्देश दिया गया है। वोटरों का कहना है कि मैपिंग अभियान के दौरान उन्होंने वर्ष 2003 से जुड़े अपने परिवार व रिश्तेदारों के वोटर कार्ड नंबर, मतदान केंद्र और पते का पूरा ब्योरा उपलब्ध कराया था। इसके बावजूद उन्हें नोटिस थमा दिया गया। अब मतदाता घंटों धूप और कतार में खड़े होकर अंचल और कलेक्ट्रेट कार्यालयों में वही दस्तावेज दोबारा जमा करा रहे हैं, जो वे पहले ही बूथ स्तर पर दे चुके थे। अचानक मिले नोटिस के बाद हजारों मतदाता अपनी पहचान साबित करने के लिए अंचल कार्यालयों और समाहरणालय का चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

अध्यक्ष व सदस्य नियुक्त होंगे तभी होगा कामः जेपीएससी; शीर्ष सभी पद खाली, पर ई-मेल एक्टिव

रांची। जेपीएससी का संकट वर्तमान में केवल परीक्षाओं के स्थगन या रद्द होने तक सीमित नहीं है। आयोग की पूरी शीर्ष संरचना खाली रहने के कारण एक्टिविटी पूर्ण रूप से ठप है। लेकिन अध्यक्ष और तीनों सदस्यों का ई-मेल आइडी वेबसाइट पर एक्टिव है। ऑफिस में चिट्ठी-पत्री का काम चल रहा है। लेकिन परीक्षा, इंटरव्यू पर फैसले लेनेवाला आयोग खाली है। आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते के इस्तीफा के बाद से आयोग की गतिविधियां लगभग बंद हो गई थी।

आयोग अध्यक्ष के इस्तीफा देने के बाद से सिर्फ तीन नोटिस जारी किए गए हैं। इसमें परीक्षाएं स्थगित, सीआईडी को 14वीं जेपीएससी के अभ्यर्थियों की ओएमआर कॉपी भेजने और फॉरेस्टर रेंज अफसर का फिजिकल टेस्ट की परीक्षा स्थगित करने का नोटिफिकेशन शामिल है। इस बीच 9 अगस्त को आयोग के तीनों सदस्यों डॉ. अजीता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद ने सामूहिक इस्तीफा भी स्वीकार हो गया।

आयोग में शीर्ष पद खाली होने के बावजूद कार्यालय का नियमित प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सचिव-श्याम नारायण राम, उप सचिव - राकेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक-रुद्र प्रताप, उप परीक्षा नियंत्रक-सुधीर कुमार इसके अलावे दर्जनों कर्मचारी यानी फाइल, पत्राचार, रिकॉर्ड और कार्यालय संबंधी कामकाज का ढांचा मौजूद है, लेकिन आयोग के संवैधानिक स्तर पर लिए जाने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए शीर्ष संरचना खाली है।

जेपीएससी की वेबसाइट की मौजूदा स्थिति भी आयोग के संकट की अलग तस्वीर दिखाती है। सार्वजनिक वेबसाइट पर अध्यक्ष और सदस्यों के नाम दिखाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन संबंधित ई-मेल आईडी अभी हैं। यानी तकनीकी स्तर पर अध्यक्ष के नाम से ई-मेल भेजने का विकल्प दिखाई देता है। इसी तरह सदस्य-1, सदस्य-2 और सदस्य-3 से संबंधित ई-मेल व्यवस्था भी सक्रिय है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	9				6	1		
7	1			9			2	8
		8					4	9
	6		2	5				1
5				6	9		7	
1	2					8		
9	8			4			5	2
		5	6				1	

पिछले अंक का उत्तर

2	3	5	9	8	6	7	4	1
6	8	7	4	2	1	9	5	3
9	1	4	3	5	7	2	8	6
4	7	2	8	3	5	6	1	9
3	6	8	2	1	9	5	7	4
5	9	1	7	6	4	8	3	2
1	4	6	5	7	2	3	9	8
8	5	9	6	4	3	1	2	7
7	2	3	1	9	8	4	6	5

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा मामलाः सीआईडी को 2 आरोपियों से पूछताछ की अनुमति

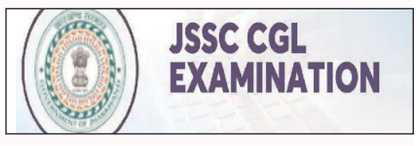

रांची। सीआईडी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में बुधवार को जेएसएससी सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी मामले में दो आरोपियों को सीआइडी ने तीन दिनों की रिमांड पर लिया है।जिन्हें रिमांड पर लिया गया है उनमें सोमांश प्रकाश और राहुल कुमार शामिल है। इन दोनों को परीक्षा एजेंसी वेबेल टेक्नोलॉजी ने परीक्षा संचालन का काम दिया था। यह परीक्षा 21 व 22 सितंबर 2024 को हुई थी।इसमें कथित पेपर लीक मामले को लेकर जांच एजेंसी सीआईडी ने एक जनवरी 2025 को सीआईडी थाना में कांड संख्या 01/2025 दर्ज की थी।आरोपियों की ओर से पैरवी करने वाली अधिवक्ता शारदा कुमारी ने बताया कि सीआईडी उन्हें उनके मुव्वकिलों से मिलने नहीं दे रही है।

भारत में होगी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी: अगले साल 14 से 28 फरवरी तक मुंबई-वडोदरा में होगा टूर्नामेंट; श्रीलंका से छिनी थी मेजबानी

दुबई। पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी भारत में खेली जाएगी। ICC ने बुधवार को इस पर मुहर लगा दी है। छह टीमों का यह टूर्नामेंट 14 से 28 फरवरी 2027 तक मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा।

टी-20 फॉर्मेट में होने वाली इस टूर्नामेंट की मेजबानी श्रीलंका को मिली थी। ICC ने 30 अगस्त को श्रीलंका से मेजबानी छीन ली थी। ICC ने आरोप लगाया था कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड में वहां की सरकार का दखल है।

भारत को मेजबानी देने की वजह

श्रीलंका से मेजबानी छिनने के बाद टूर्नामेंट कराने के लिए बांग्लादेश, भारत और साउथ अफ्रीका ने दावा किया था। ICC ने तय मानकों के आधार पर भारत के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

ICC ने कहा, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड जुलाई में ICC की एनुअल कॉन्फ्रेंस में बताए गए सुधार कर रहा है।

टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका खेलेंगी। इन सभी टीमों ने 6 जुलाई की कटऑफ तारीख पर ड्डष्टष्ठ महिला टी-20 इंटरनेशनल टीम रैंकिंग में अपनी स्थिति के आधार पर क्वालिफाई किया है।

राउंड-रॉबिन लीग के बाद फाइनल

सभी टीमें राउंड-रॉबिन लीग में खेलेंगी। लीग के बाद शीर्ष दो टीमें 28 फरवरी को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी।

पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी 50 ओवर के फॉर्मेट में खेली जाती है। भारत ने पिछले साल महिला वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी, जिसमें भारतीय टीम ने खिताब जीता था।

जय शाह बोले- महिला क्रिकेट के लिए नया अध्याय

ICC चेयरमैन जय शाह ने कहा- ICC महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 महिला क्रिकेट के लिए एक नए और उत्साहजनक अध्याय की शुरुआत है।

टूर्नामेंट का यह पहला सीजन होगा, जिसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें कड़े मुकाबले में हिस्सा लेंगी।

उन्होंने कहा, इससे टीमों को रैंकिंग में ऊपर जाने और वैश्विक मंच पर जगह बनाने के लिए और प्रोत्साहन मिलेगा।

शाह ने कहा- हर साल ICC का एक प्रमुख महिला टूर्नामेंट होने से महिला क्रिकेट, उसकी खिलाड़ियों और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए गति, निरंतरता और मजबूत लय बनाने का महत्वपूर्ण मौका मिलेगा।

भारत ने 2025 में पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीता था।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 300 अंक की बढ़त:76,900 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 100 अंक चढ़ा; बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 3 सितंबर को शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 300 अंक की बढ़त के साथ 76,900 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी में भी 100 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई और यह 24,000 के स्तर के आसपास पहुंच गया। बैंकिंग, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी से बाजार को मजबूती मिली।

पिछले कारोबारी सत्र में आई गिरावट के बाद निवेशकों ने चुनिंदा शेयरों में खरीदारी दिखाई, जिससे प्रमुख सूचकांकों में सुधार देखने को मिला। बैंकिंग शेयरों में तेजी के साथ मेटल और रियल्टी सेक्टर में बढ़ी खरीदारी ने बाजार की सकारात्मक धारणा को मजबूत किया।

एशियाई बाजारों में भी आज सकारात्मक रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहा था। जापान के निक्केई में 0.20 प्रतिशत और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.12 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों से मिले इन सकारात्मक संकेतों का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखाई दिया।

इससे पहले 2 सितंबर को अमेरिकी बाजारों में भी तेजी रही थी। डाउ जोन्स 295 अंक यानी 0.56 प्रतिशत चढ़ा। नैस्डैक में 0.45 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 0.46 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी बाजारों की मजबूती से निवेशकों की धारणा को सहारा मिला।

सोना 2,549 बढ़कर 1.54 लाख पर पहुंचा:एक महीने में दाम 11 हजार बढ़े; चांदी आज 4,420 महंगी होकर 2.33 लाख किलो हुई

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 3 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,549 रुपए चढ़कर 1.54 लाख रुपए हो गई है। इस हफ्ते तीन दिन सोने के दाम में गिरावट रही थी।

एक किलो चांदी की कीमत आज 4,420 रुपए बढ़कर 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। बीते एक महीने में सोना 11 हजार और चांदी 16 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल सोना 21 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग घर के विभिन्न हिस्सों में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता को लाने के लिए किया जाता है। यह विद्युतीय ऊर्जा को संतुलित करके आपके घर में सकारात्मकता को बढ़ाने का कारण बनते हैं। श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग पशु स्थल, कार्यालय या व्यापार स्थान, औद्योगिक कार्यालय, परिवार क्षेत्र में किया जा सकता है।

ध्यान दें कि ये उपाय वास्तु शास्त्र की परंपरा के अनुसार हैं, और इनका व्यापारिक आधार नहीं है। इसलिए, कृपया एक वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करें और आवश्यकतानुसार उपाय करें।

इंदौर में भारत-वेस्टइंडीज टी20 के टिकट ऑनलाइन मिलेंगे: कीमत 1,000 से 12,500 रुपए तक, एक व्यक्ति अधिकतम चार टिकट ले सकेगा

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टिकट की कीमतें तय कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने बुधवार को टिकटों के रेट जारी किए। आम दर्शकों के लिए सबसे सस्ता टिकट 1,000, जबकि सबसे महंगा पैवेलियन टिकट ?12,500 का होगा। मैच के सभी टिकट सिर्फ ऑनलाइन मिलेंगे। अन्य कैटेगरी के टिकटों के रेट भी जारी किए जाएंगे।

MPCA ने मैच के लिए Zomato को आधिकारिक ऑनलाइन टिकटिंग पार्टनर बनाया है। टिकटों की बिक्री सिर्फ ऑनलाइन होगी। स्टेडियम के काउंटर से ऑफलाइन टिकट नहीं मिलेंगे।

टिकटों की खरीद की सीमा भी तय की गई है। एक व्यक्ति अधिकतम 4 टिकट खरीद सकेगा। ये टिकट एक ही कैटेगरी के या अलग-अलग कैटेगरी के हो सकते हैं।

होलकर स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 18 जनवरी 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की थी।

टिकट बिक्री की तारीख का ऐलान बाकी

MPCA ने टिकटों की कीमतें घोषित कर दी हैं, लेकिन ऑनलाइन बिक्री किस तारीख और किस समय शुरू होगी, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। एसोसिएशन की ओर से टिकटिंग प्लेटफॉर्म की तैयारियां पूरी होने के बाद बिक्री की तारीख घोषित की जाएगी।

5 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 5 मैचों की T20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का तीसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होगा। यह होलकर स्टेडियम में खेला जाने वाला 5वां T20 इंटरनेशनल मैच होगा।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर BCCI की समीक्षा बैठक आज :गंभीर, अगरकर और लक्ष्मण मुंबई बुलाए गए

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद BCCI ने समीक्षा बैठक बुलाई है। हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण गुरुवार बैठक में शामिल होंगे। यह मीटिंग मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होगी।

इसमें विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों की इंजरी, IPL के वर्कलोड और टीम मैनेजमेंट, CoE और चयन समिति के बीच कम्यूनिकेशन भी बैठक के अहम मुद्दे होंगे।

16 सीरीज बाद आयरलैंड से हारे, इंग्लैंड में भी खराब प्रदर्शन

भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में 0-2 से हार मिली थी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह भारत की करीब 3 साल में 16 सीरीज के बाद पहली टी-20 सीरीज हार थी।

इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी-20 सीरीज में भारत 0-4 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली थी। वनडे सीरीज में भारत ने पहला मैच जीता, लेकिन सीरीज 1-2 से गंवा दी।

ड्डष्टष्ठ सचिव देवाजीत सैकिया ने इन नतीजों के बाद टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की बात कही थी। अब यह बैठक बुलाई गई है।

आयरलैंड ने पहली बार भारत से टी-20 सीरीज जीती।

भारत-ब्राजील फुटबॉल मैच के टिकट की बिक्री शुरू:3 अक्टूबर को कोलकाता में मुकाबला होगा

भारत और ब्राजील के बीच 3 अक्टूबर को कोलकाता में होने वाले इंटरनेशनल फ्रेंडली फुटबॉल मैच के टिकट की बिक्री शुरू हो गई है। मैच साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। टिकट डिस्ट्रिक्ट ऐप पर उपलब्ध हैं।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने बुधवार को ङ्क पोस्ट में लिखा- 'इंतजार खत्म हुआ। भारत-ब्राजील के मैच में मिलते हैं।

भारत में भी ब्राजील के लाखों प्रशंसक हैं। ब्राजील टीम को देश के बाहर भारत को उसकी सबसे बड़ी फैन बेस में से एक माना जाता है।

1992 के बाद भारत का टॉप रैंकिंग टीम से मैच

1992 में फीफा वर्ल्ड रैंकिंग शुरू होने के बाद भारत सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम के साथ मैच खेलने जा रहा है। ब्राजील इस समय वर्ल्ड रैंकिंग में पांचवें नंबर पर है। ब्राजील 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन है।

साल्ट लेक स्टेडियम स्टेडियम पहले भी कई बड़े फुटबॉल मैचों का गवाह रहा है। उसने 2017 में फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप के फाइनल की मेजबानी की थी। यहां 1984 में नेहरू कप के दौरान यहां कई इंटरनेशनल टीमों ने मैच खेले थे।

26 सितंबर को पनामा से खेलेगा भारत

टीम इंडिया 26 सितंबर को पनामा से भी फ्रेंडली मैच खेलेगी। यह मैच बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में होगा। भारत का यह किसी वर्ल्ड कप खेलने वाले देश के खिलाफ पहला फ्रेंडली मैच होगा।

पनामा इस समय वर्ल्ड रैंकिंग में 44वें नंबर पर है। सेंट्रल अमेरिकी देश पनामा ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था।

US ओपन में सबालेंका 53 मिनट में जीतीं: पेगुला-मेदवेदेव और अल्काराज भी तीसरे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे स ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वालीफायर पोलिना यात्चेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली।

सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। विमेंस में जेसिका पेगुला भी आगे बढ़ीं, जबकि पुरुष सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं। उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्चेंको ने एक गेम जीता, लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया।

सबालेंका की स ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा।

महिला सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन सोफिया केनिन को 6-3, 6-1 से हराया। पेगुला ने यह मुकाबला 56 मिनट में जीता। 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन केनिन को पूरे मैच में वापसी का ज्यादा मौका नहीं मिला।

पेगुला अगले दौर में कनाडा की लेयला फर्नांडीज से खेलेंगी। फर्नांडीज ने थाईलैंड की मननचाया सावांगकाएव को 6-4, 6-1 से हराया।

मेदवेदेव के मैच में आईं दो चिड़ियां

पुरुष सिंगल्स में मेदवेदेव ने अमेरिका के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी सेबेस्टियन गोर्जनी को 6-1, 6-3, 7-5 से हराया।

मैच के दौरान लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में नेट पर दो छोटी चिड़ियां आ बैठीं। इस वजह से एक पॉइंट दोबारा खेलना पड़ा और मेदवेदेव इस फैसले से नाराज भी दिखे।

शेल्टन ने हुरकाज को हराया, नाकाशिमा बाहर

वहीं, मेन्स सिंगल्स के अन्य मैच में अमेरिकन खिलाड़ी बेन शेल्टन ने पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज को कड़े मुकाबले में 6-3, 5-7, 7-6 , 7-5 से हराया। शेल्टन स ओपन में लगातार चौथी बार तीसरे दौर में पहुंचे हैं।

वहीं, अमेरिका के ब्रैंडन नाकाशिमा को उनके ही देश के एलेक्स माइकलसन ने 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया।

बारिश से बाहरी कोर्ट पर खेल प्रभावित

न्यूयॉर्क में बारिश के कारण बाहरी कोर्ट पर मुकाबले प्रभावित हुए। कुछ मैचों को रोकना पड़ा, जबकि आर्थर ऐश और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम के कवर होने के कारण वहां मुकाबले जारी रहे। बारिश की वजह से टूर्नामेंट के पहले दौर के कुछ मैच भी बुधवार तक खिंच गए।

छत्तीसगढ़ अतीत के अंधकार से निकलकर विकास और प्रगति के नए युग की ओर अग्रसरः उपराष्ट्रपति

रायपुर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होकर कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल उत्सव का क्षण नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि 'आज युवाओं को जो डिग्रियां मिल रही हैं और कल इससे कहीं अधिक मूल्यवान जिम्मेदारी सौंपी जाएगी– भारत की जनता का स्वास्थ्य, विश्वास और जीवन।' एम्स रायपुर के दीक्षांत समारोह में 376 महिलाओं और 313 पुरुषों को डिग्री प्रदाय की गई। उपराष्ट्रपति ने मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2012 में स्थापना के बाद से एम्स रायपुर ने मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान से जुड़ी क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि बेहद कम समय में यह संस्थान छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के लिए एक प्रमुख तृतीयक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है और ग्रामीण एवं आदिवासी समुदायों तक भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि एम्स रायपुर का विकास छत्तीसगढ़ में हो रहे उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दशकों से चली आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए श्री राधाकृष्णन ने कहा कि कठिन भौगोलिक स्थिति, आवागमन की खराब सुविधा और वामपंथी उग्रवाद ने विकास में गंभीर बाधाएं खड़ी की। कई दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में भय और हिंसा ने सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों के विकास को बाधित कर दिया, जिससे समुदायों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में दूरी और अभाव का सामना करना पड़ता था।

उपराष्ट्रपति ने अपने उदबोधन में आगे कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपने अतीत के अंधकार से निकलकर समृद्धि, विकास और प्रगति के एक नए युग की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने इस परिवर्तन का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के रणनीतिक संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रतिबद्ध नेतृत्व को दिया। दशकों से चले आ रहे नक्सली खतरे का अंत हो गया है और जिन क्षेत्रों को कभी हिंसा के लिए जाना जाता था, उन्हें अब सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों, रोड़ कनेक्टिविटी, निवेश और अवसरों के लिए जाना जाने लगा है। उन्होंने कहा, यह परिवर्तन इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, दृढ़ सुरक्षा नीति और विकासोन्मुखी शासन में कितना बड़ा बदलाव लाया जा सकता हैं।

उपराष्ट्रपति ने एम्स रायपुर को नए छत्तीसगढ़ के बेहतरीन प्रतीकों में से एक बताया, जो भय और अभाव के युग से शांति, प्रगति और संभावनाओं के युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने उन्नत स्वास्थ्य सेवा और प्रत्यारोपण के क्षेत्र में संस्थान की उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में किए गए पहले किडनी प्रत्यारोपण, किडनी प्रत्यारोपण में 95 प्रतिशत से अधिक सफलता दर, कॉर्नियल प्रत्यारोपण और कान प्रत्यारोपण को महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में उल्लेख किया, जो यह दर्शाती हैं कि इस क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा कितनी तेजी से सुलभ हो रही है। उन्होंने कहा कि हृदय प्रत्यारोपण कार्यक्रम की मंजूरी एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

'रंग-तरंग' में गूंजे छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य, लोकधुनों से आधुनिक सुरों तक दिखा संस्कृति का रंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंगीत परंपरा, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और आधुनिक संगीत के सुरों को एक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन 'रंग-तरंग' का मंगलवार को महंत घासीदास संग्रहालय परिसर स्थित मुक्ताकाशी मंच पर शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में लोकवाद्यों की गूंज, शास्त्रीय वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों और लोकगायन की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया।

'रंग-तरंग' में गूंजे छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य, लोकधुनों से आधुनिक सुरों तक दिखा संस्कृति का रंग

'रंग-तरंग' का आयोजन 1 से 3 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोक एवं वाद्य संगीत परंपरा को संरक्षित करने, नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा लोक एवं वाद्य संगीत से जुड़े कलाकारों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।

आयोजन के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न वाद्य एवं संगीत प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक वादन (फ्यूजन) की प्रस्तुति श्री विवेकानंद भारती एवं साथियों ने दी। पियानो वादन में मोहम्मद अयान रायकर, तबला वादन में नासिर खान, अंबिकापुर, बांसुरी वादन में तारकेश्वर वर्मा, रायपुर तथा लोक गायन में राहुल ठाकुर, रायपुर ने अपनी प्रस्तुतियों से सुरों की मनमोहक छटा बिखेरी।

लोकधुनों और पारंपरिक वाद्यों के साथ आधुनिक संगीत के सुरों का संगम कार्यक्रम की खासियत रहा। प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की सहजता और विविधता के साथ संगीत के नए प्रयोगों की झलक भी देखने को मिली।

संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोकसंस्कृति और संगीत परंपरा से है। यहां के पारंपरिक वाद्ययंत्र केवल संगीत के साधन नहीं हैं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि 'रंग-तरंग' के माध्यम से पारंपरिक लोकवाद्यों और लोकधुनों को आधुनिक संगीत के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है।

आधुनिक तकनीक और राष्ट्रीय बागवानी मिशन का मिला साथ, प्रति एकड़ 1.07 लाख रुपये का शुद्ध लाभ

रायपुर। महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखंड के ग्राम टेंगराही के कृषक श्री नारायण प्रसाद वर्मा ने पारंपरिक धान की खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के सहयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग से उनकी खेती अब अधिक लाभकारी हो गई है। श्री वर्मा क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं।

नारायण प्रसाद वर्मा के पास कुल 1.06 हेक्टेयर कृषि भूमि है। पहले वे मुख्य रूप से धान की खेती करते थे, जिससे उन्हें अपेक्षाकृत सीमित आय प्राप्त होती थी। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने उद्यानिकी फसलों की ओर कदम बढ़ाया और करेला सहित अन्य सब्जियों की खेती शुरू की।

सरकारी अनुदान ने बढ़ाया खेती का दायरा

राष्ट्रीय बागवानी मिशन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना में श्री वर्मा को एक हेक्टेयर क्षेत्र में करेला की खेती के लिए 24 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। इसके साथ ही सब्जी फसलों के लिए 0.50 हेक्टेयर क्षेत्र में सपोर्ट सिस्टम स्थापित करने हेतु 5 हजार रुपये का अनुदान भी डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में मिला।

पीएम आवास ने संवारी कुम्हार मंशाराम की जिंदगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से सुदूर वनांचल के अंतिम छोर पर बसे जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। बालोद जिले के डौण्डी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम कुमुड़कट्टा में पारंपरिक रूप से कुम्हार का कार्य करने वाले मंशाराम और उनकी पत्नी रामकली का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना अब हकीकत में बदल चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत मिले पक्के मकान ने न सिर्फ उनके परिवार को सुरक्षित छत दी है, बल्कि उनके पारंपरिक हुनर को भी नया संबल प्रदान किया है। कुम्हार मंशाराम वर्षों से पारंपरिक कुम्हारी और कृषि मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे थे।

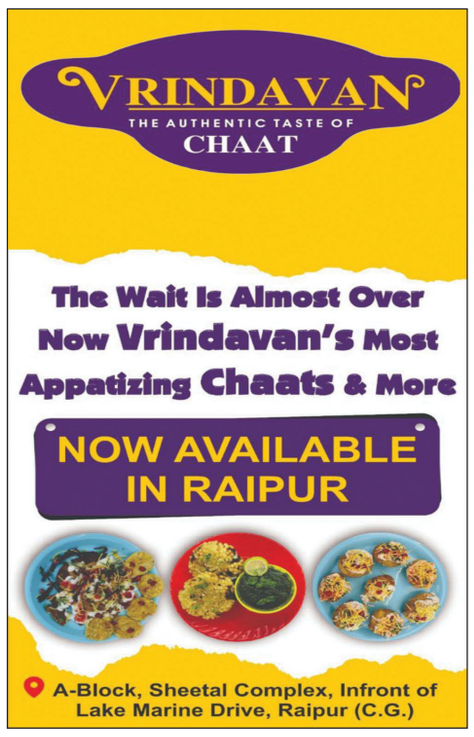

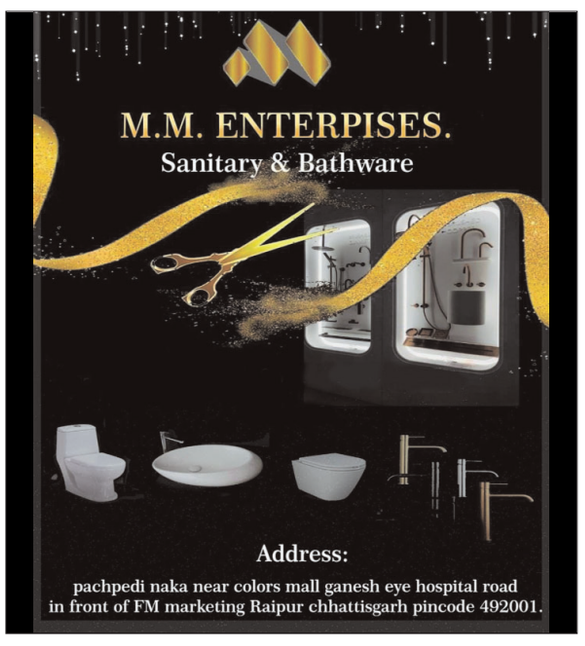

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684